



## NY FILM PÅ VEJ

Den indiske forfatter, skuespiller, producer og instruktør Dev Anand, er i Danmark for at samle inspiration til en film, der skal optages i forsommeren 1991. Dev Anand har medvirket i 153 film i Indien, hvoraf hans største succes er set af 2,4 milliarder mennesker. Dev Anand fortæller, at filmen skal være en co-produktion med indiske og danske skuespillere, og glæder sig til at sammensætte to så forskellige kulturer. Her ses han med den indiske ambassadør i Danmark, Hendes Excellence Roma Marzumdar på den indiske ambassade i København.





FACES OF THE '90S  
 Rs. 10  
 FEBRUARY 1991  
 BOMBAY CITY SPECIAL  
 Dev Anand

# DEV

**I won't star in my next film!**

"I'm

looking

for

the most

exciting

pair

of the

decade."



One of the most successful star-makers of all time is at it again. He's on the look out for a "fresh, innocent, bubbly, good-looking" young pair to play lovers in his next film which he'll only direct--not act in. Which in itself will be very unusual for a Dev Anand film. "It's a bubbly teenage romance. Which I'd like to record from behind the camera without being involved in front of it." says Dev

The idea for the story struck him when he was in

Copenhagen sometime ago... "and I had an enterprising group of people approaching me to translate it on the screen, in Copenhagen. Why not, I thought, if I get a really fantastic young pair. The girl should be about 16-18 and the boy may be a couple of years older." Dev who's given stars like Zeenat and Tina to the Indian screen isn't keen on running after any of the much-publicised newcomers of today. "I'll make my own choice." Any contenders? Dev is waiting...





था फिर इसका नाम 'प्यार का नशा' रखा गया और अंत में 'प्यार का तराना' बन गया। यह एक भारतीय नव विवाहित दंपति की कहानी है जो हनीमून मनाने के लिए 'कोपहेगन' जाते हैं परन्तु अनजाने में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों के चक्कर में फंस कर नार्वे व डेनमार्क के विभिन्न शहरों में घूमते हुए वहां की आजाद संस्कृति व सेक्स का आनन्द लेते हैं।

प्र. जब 'प्यार का तराना' की कहानी का आधार भारत व डेनमार्क है तो फिर पाकिस्तानी हीरोइन को लेने का क्या तुक है?

उ. पहले हमारा विचार रवीना टंडन को लेने का था परन्तु देव साहब चाहते थे कि फिल्म में नई हीरोइन होनी चाहिए।



## इंडो डेनिस हॉट फिल्म 'प्यार का तराना' के निर्माता एम. हिरवानी से एक मुलाकात

अभी कुछ दिन पहले की बात है एक अप्रवासी भारतीय जोधपुर के दो सिंधी सज्जनों को लेकर 'साप्ताहिक जनगण' में आये और मुझे 'साप्ताहिक जनगण' की वह प्रति मांगने लगे जिसमें देवानन्द द्वारा निर्देशित डेनिस-भारत के सहयोग से बन रही फिल्म 'प्यार का तराना' की कहानी छपी थी। मैंने पूछा आप कौन हैं? और किस वास्ते आपकी दिलचस्पी साप्ताहिक जनगण में है तो उस गंभीर चिह्ने नौजवान अप्रवासी भारतीय एम. हिरवानी जो अब डेनमार्क के नागरिक हैं, ने बताया कि वह 'प्यार का तराना' फिल्म के निर्माता हैं और देवानन्द के साथ मिलकर यह पहली डेनिस-भारत सहयोग से फिल्म आई जा रही है। जोधपुर यात्रा के दौरान जब मेरे रिश्तेदारों ने बताया कि उन्होंने जनगण में 'प्यार का तराना' की कहानी पढ़ी है तो मैंने सोचा कि आप से

में एक पत्रकार व व्यापारी भी है ने हमारे अनुरोध को सहर्ष स्वीकार कर निम्न इन्टरव्यू दिया जो पाठकों की जानकारी के लिए यहां दिया जा रहा है।

प्र. 'प्यार का तराना' फिल्म को डेनमार्क में बनाने का विचार आपको कैसे और क्यों आया?

उ. डेनमार्क में मैं एक व्यापारी के साथ साथ पिछले कई वर्षों से पत्रकार भी हूँ और भारत की सांस्कृतिक, आर्थिक व सामाजिक गतिविधियों पर बराबर लिखता रहा हूँ। भूतपूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी व राजीव गांधी से डेनमार्क यात्रा व भारत यात्रा पर मुलाकात होने पर मेरे मन में यह विचार आया कि मैं एक ऐसी फिल्म बनाऊँ जिसमें डेनमार्क वालों को भारत के बारे में व भारत के लोगों को



उन दिनों जब हम हीरोइन की तलाश कर रहे थे तो पाकिस्तान की अनिता अय्यूब बम्बई में काम ढूँढ़ने आई हुई थी। वह मिस पाकिस्तान-89 रह चुकी है तथा माडलिंग का भी कार्य कर चुकी है। एक डिस्को क्लब में वह डांस कर रही थी देव साहब के सहायक निदेशक सुब्रोटो बोस को वह भा गई। उन्होंने अनिता अय्यूब को देव साहब से मिलाया और वह हीरोइन के लिए चुन ली गई।

प्र. करोड़ों रुपये बजट वाली इस फिल्म में सभी नये कलाकार लेने के पीछे क्या राज है?

उ. यह तो देव साहब ही बता सकते हैं क्योंकि वे ही इस फिल्म के निदेशक हैं। वैसे देव साहब अपनी हर फिल्म में नये कलाकारों को लेते आए हैं।

प्र. देव साहब ने जो फिल्म बनाई है उससे आप कितने संतुष्ट हैं?

उ. देवानन्द जी, एक अच्छे कलाकार के साथ साथ एक अच्छे निदेशक भी हैं। उन्होंने सुबह 6 बजे से लेकर रात 2 बजे तक शूटिंग किया है। उनमें इंग्लिश स्टाइल से काम करने के वे सभी गुण हैं जो एक विदेशी निदेशक में होते हैं। मेरे विचार से उन्होंने बहुत अच्छी फिल्म बनाई है।

प्र. सुना है 'प्यार का तराना' बड़ी हॉट फिल्म है क्या भारत में सेंसर इसको पास कर देगी?

उ. सेंसर बोर्ड जरूर पास करेगा क्योंकि फिल्म में हॉट सीन हैं उन्हें दो तरह से शूट किया गया है। एक भारत के लिए और दूसरा विदेशों के लिए। डेनमार्क के कार्निवाल में खूबसूरत लड़कियां नग्न होकर नृत्य करती हैं, स्वीमिंग पूल में नहाती हैं जो डेनमार्क की संस्कृति का एक पहलु है। खुला सेक्स वहां सामान्य बात है। भारतीय सेंसर को अन्य विदेशी फिल्मों की तरह इसे भी पास करना चाहिए।

प्र. इस फिल्म में आपने डेनमार्क की भी नई अभिनेत्री को ही क्यों चुना?

उ. क्योंकि जब फिल्म में सभी कलाकार नये हैं तो फिर डेनिसस कलाकार भी नये, ताजे व जवां होने चाहिए और इसी कारण देव साहब ने स्वयं एक डिस्को क्लब में 'मायारीस' को

पूरा करवाने में सफल हो सका हूँ। सच पूछें तो उसके कारण डेनमार्क में इस फिल्म के प्रति जबरदस्त क्रेज उत्पन्न हुआ है।

प्र. जोधपुर से आपका क्या लगा है?

उ. जोधपुर में मैं महेश हायर सैकण्डरी स्कूल में पढा हूँ, जोधपुर पोलोटेक्निक कालेज से डिप्लोमा किया है तथा आपके पड़ोसी ईधन भाई (रेडियो डॉक्टर) के यहां मैंने रेडियो ठीक करने का काम सीखा है। डिप्लोमा करने के बाद मैं 9६६८ में कुवैत चला गया फिर दुबाई, बहरान, मस्कट, ईरान आदि में नौकरी करता रहा। 9६७० में योरोप का भ्रमण करते हुए डेनमार्क के 'कोपहेगन' में नौकरी कर ली। बाद में 9८७9 में अपना इलेक्ट्रोनिक्स सामान का आयात व होलसेल व्यापार शुरू कर दिया जो आज भी चालू है लेकिन मैं जोधपुर को कभी



मिलूँ और वह अंक प्राप्त करूं। करोड़ों रूपयों की लागत से बनी इस फिल्म के निर्माता को अपने कार्यालय में देखकर हम गदगद हो उठे और उनकी इस सादगी और सरलतापूर्ण व्यवहार से प्रभावित होकर डटकर देने की बात कर बैठे। निर्माता एम. हिरवानी स्वयं डेनमार्क

डेनमार्क की संस्कृति व सभ्यता के बारे में जानकारी मिल सके। यह सोचकर फिल्म की योजना बनाई और भारत में मैं 9०-9२ बार आया भी। काफी सोचने के बाद मैंने यह निर्णय लिया कि बम्बई में ६-७ महीने रहने के बजाय पूरी फिल्म डेनमार्क में ही बनाऊँगा ताकि मेरी इच्छा के अनुसार फिल्म बन सके।

प्र. आपने देवानन्द को ही क्यों व कैसे फिल्म का निदेशक चुना?

उ. देवानन्द एक रोमांटिक अभिनेता व निदेशक रहे हैं। पश्चिमी सभ्यता के अनुसार फिल्म बनाने के लिए वे मुझे अधिक योग्य लगे पहले मैंने सुरेन्द्र मोहन को बुलाया था परन्तु उन्होंने डेनमार्क में फिल्म बनाने से इन्कार कर दिया लेकिन जब मैंने देव साहब के सामने प्रस्ताव रखा तो उन्होंने सहर्ष न केवल फिल्म का निर्देशन करना स्वीकार कर लिया बल्कि मेरे साथ भागीदारी में फिल्म बनाने को राजी हो गये और इस प्रकार 'सनिको प्रोडक्शन्स' डेनमार्क व नवकेतन इन्टरनेशनल फिल्मस् बम्बई के संयुक्त तत्वावधान में 'प्यार का तराना' बनाने का निर्णय किया गया।

प्र. फिल्म 'प्यार का तराना' की कहानी का आधार क्या है?

उ. इस फिल्म की कहानी देव साहब ने लिखी है परन्तु आइडिया मेरा है। पहले इसका नाम 'प्यारा प्यारा नशा प्यार का'



उ. जी हां! मेरे पति वीना हिरवानी के सहयोग व प्रेरणा से मैं इस फिल्म को

नहीं भूल सकता जो मेरे प्रारंभिक जीवन की कर्म स्थली है।



Stillinger tilbydes

## **INDISK FILMINSTRUKTØR DEV ANAND**

søger ung, smuk pige i alderen 17-21 år, til at spille med i vores spillefilm

### **TARANA PYAR KA - en kærlighedshistorie.**

Filmen skal optages i Danmark i sommeren 91, og indspilles på indisk og engelsk. Erfaring er intet krav, men gode engelsk kundskaber kræves.

Åbent hus d. 15. og d. 16. april kl. 19-1

**SAS Scandinavia Hotel, Amager Boulevard 70**  
Henv.: Dev Anand

**Sunico Productions, Østergade 32, Tlf. 33 32 84 70**



## 100 DANSKE PIGER VIL MED I INDISK FILM

Omkring 100 danske piger meldte sig, da den indiske filminstruktør og -skuespiller Dev Anand i denne uge annoncerede efter »en smuk unge pige 17-21 år« til at medvirke i den indiske film »Tarana Pyar Ka - en kærlighedshistorie«.

Anand har slået sig ned i København en halv snes dage for at finde den rigtige pige, og til sommer begynder optagelserne i København, Berlin og Stockholm.

»Filmen indspilles på hindi, som den udvalgte danske pige altså skal lære replikker på, men der bliver også en engelsk-sproget version,« siger Anand.

»Kærlighed er et internationalt fænomen, og man kan godt lave en film, der både vises f.eks. i Indien og i Vesten,« mener Anand.

Anand, der har medvirket i over 100 indiske film, har selv skrevet manuskriptet. Han bringer et optagehold samt en halv snes indiske skuespillere med sig til København.



# MAJA STJERNE I NY STOR LOVE-STORY

Af Michael Larsen

**B.T.** For den 17-årige Maja Riis blev et café-besøg i København ensbetydende med, at et filmeventyr nu går i opfyldelse.

Maja Riis, der er svensk født, men som bor og har boet i Danmark, siden hun var syv år, skal være stjerne i noget så sjældent på vore breddegrader som en indisk film.

Indiske film som sådan er knap så sjældne. Indien er ganske enkelt det mest filmproducerende land i verden. Og også hvad angår glimmer og glamour slår Indien Hollywood og den amerikanske filmverden med flere længder. I Indien er det ikke ualmindeligt, at filmstjerner bliver betragtet som små guder.

Filmen, »Tarana Pyar Ka«, der er en kærlighedshistorie, skal optages i Danmark her til sommer.

»Det bliver enormt spændende,« siger Maja Riis.

»Det er min sag, hvor meget jeg får for det, men jeg bliver ikke styrtende rig. Jeg gør det for oplevelsens skyld.«

## NATURTALENT

Det var den indiske filmskuespiller og instruktør, Dev Anand, der i dagspressen i den forløbne

uge annoncerede efter en dansk pige, der fik øje på Maja Riis. Det viste sig, han ikke tog fejl. Maja Riis blev udvalgt blandt 100 håbefulde piger.

Maja Riis er et naturtalent og har ikke før prøvet kræfter med hverken film eller teater. Hun bor i Vedbæk med sine forældre og passer til dagligt sin skolegang i 2 g. på Østre Borgerdydskole.

»Filmen indspilles på hindi, som den udvalgte danske pige altså skal lære replikker på, men der bliver også en engelsk-sproget version,« siger Anand.

»Kærlighed er et internationalt fænomen, og man kan godt lave en film, der både vises f. eks. i Indien og i Vesten,« mener Anand.

Filmen bliver optaget i København, Berlin og Stockholm, men Maja Riis medvirker kun, når der skal optages i København.

**Dejlige Maja Riis, 17 år, har fået hovedrollen i en indisk film, der skal optages i Danmark til sommer. Foto: Svend**





2 Berlingske Tidende 1. sektion

Søndag 21. april 1991



17-årige Maja Riis blev udvalgt blandt ca. 100 ansøgere.  
Foto: Svend Aage Mortensen

### Vedbæk-pige med i indisk film

VEDBÆK: En 17-årig svensk pige, Maja Riis, Vedbæk, er blevet udvalgt til at spille med i den indiske film »Tarana Pyar Ka«, som vil blive optaget i Danmark i sommer. Maja Riis, der bor med sine forældre i Danmark, blev udvalgt blandt cirka 100 piger, som den indiske filmskuespiller og instruktør Dev Anand havde annonceret efter i denne uge i København. Hans film er blevet til i samarbejde med og efter ide af den indisk-fødte forretningsmand og journalist Mangharan Harwane, København, der i 20 år har boet i Danmark og er dansk statsborger. (RB)



MEDLEMSBLADET FOR



SEKTION DANMARK

# IPAnyt

Nr. 4 1991

## VI TAKKER

politikommissær BJARNE WOLDIDERICH  
og alle de andre betjente,  
som har været behjælpelig med filmatiseringen  
af vores første Indisk-Danske spillefilm:  
**PYAR KATARAANA** (Kærlighedshistorie)  
Instrueret af Dev Anand og udelukkende  
optaget i Danmark. Producer. M. Marwani.

## SUNICO PRODUCTIONS

Østergade 32 - 1100 København K  
Tlf. 33 32 84 70 - Fax. 33 14 50 10  
Biltlf. 30 33 04 70

PAGE 16 SCREEN, MAY 10, 1991

**HAPPENINGS**

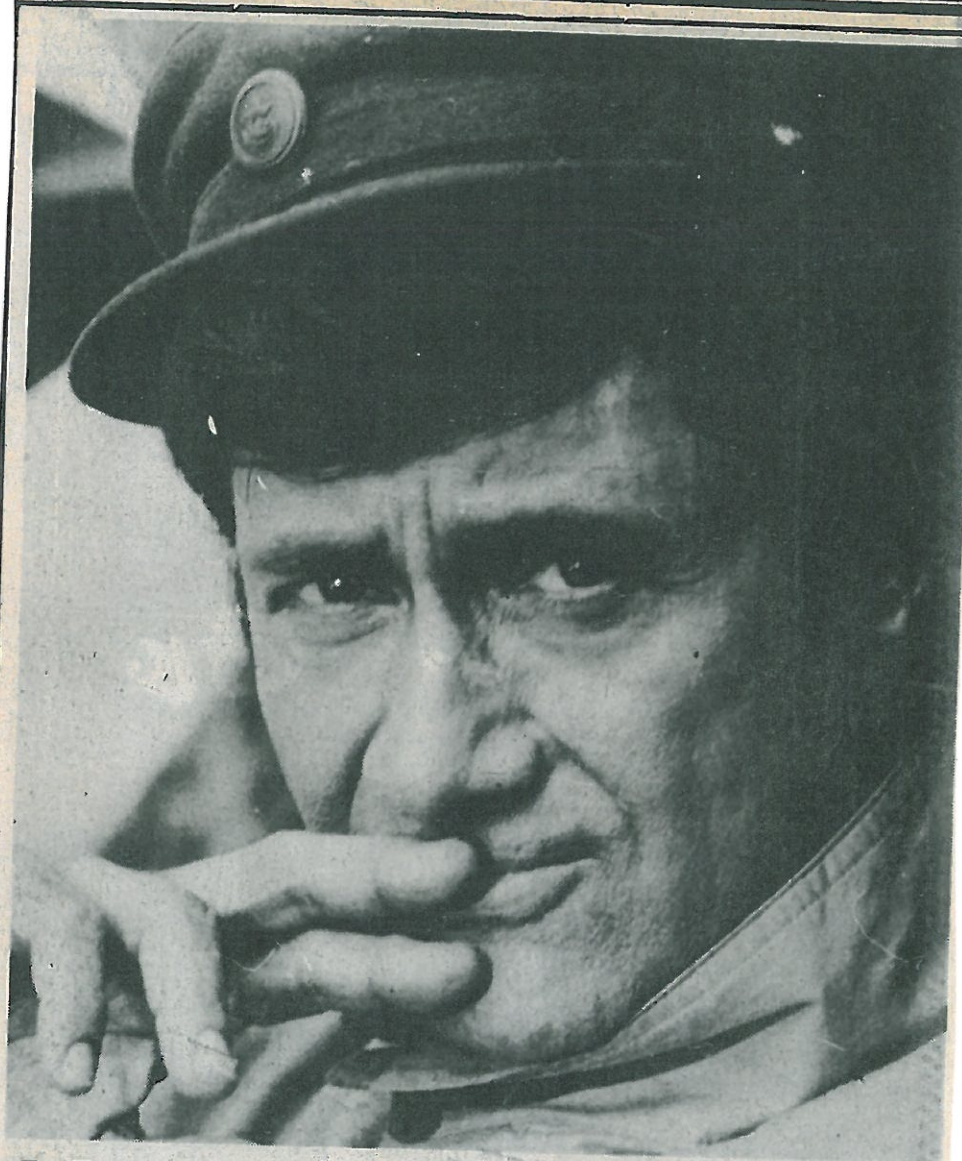
**REVIEWS**



The post production work of 'Sau Crore' is still in progress and Dev Anand has already launched his next venture 'Pyar Ka Tarana', a love story starring newcomers in the lead roles. The film was launched recently at the Bombay Film Laboratories with a song recording. The song was penned by M.G. Hashmat and rendered by Lata Mangeshkar under the baton of music director Raam-Laxman. Seen at the recording are, from left, producer Harish Harwani, lyricist M.G. Hashmat, Lata Mangeshkar, Dev Anand and music director Ram-Laxman.



## RENDEZVOUS



**H**ITS and flops do not make no difference to Dev Anand. Though films happen to be his avocation, he is one individual who doesn't let failure alter his course. "I will be making films all my life," he says. He has launched yet another film recently, 'Pyar Ka Tarana' a love story with newcomers Manu Gargi and Anita Ayub playing the lead roles. Akshay Anand and Majariis form the second pair in the film. Anita Ayub is from Pakistan while

Majariis is a Swede, settled in Denmark. "The film," says Dev, "will be shot in a start-to-finish schedule in Copenhagen in the months of June-July. We have already recorded three songs and the film has music by Raam-Laxman". It will have eight songs, five of which will be recorded shortly and are to be rendered by Lata Mangeshkar. Dev's spirit is as indomitable as it ever was. All he wants now is one hit film that would add to his spunk, not to mention the satisfaction he will derive from it.



भारत सरकार  
GOVERNMENT OF INDIA  
सूचना और प्रसारण मंत्रालय  
MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

नई दिल्ली-१, तारीख  
Dated New Delhi-1, the

१६  
१९

13.5.91

M/s Navketan International Films,  
Motion Picture Producers,  
Mhira Kutir,  
Swami Vivekananda Road,  
Santacruz (West)  
BOMBAY - 400 054.

Subject: Regarding production of the film "Taraana Pyaar  
Ka" in collaboration with M/s Sunico Productions,  
Copenhagen, Denmark.

.....

Sirs,

I am directed to refer to your letter dated the 15th April, 1991 submitting therewith four copies of the Agreement signed between M/s Navketan International Films and M/s Sunico Productions for production of a feature film "Taraana Pyaar Ka" and to say that the agreement provides that the earnings from the film will be shared by the co-producers on 50:50 basis. In this connection, it is stated that under the rules repatriation from earnings in India can not be agreed to. The producers may, therefore, consider revision of the agreement so as to ensure that there is no repatriation of earnings from the film in India. This Ministry has no objection in principle to other terms and conditions for this co-production. The revised agreement may please be sent to this Ministry for final approval.

2. The permission of shooting is also subject to clearance of script of the film which, at present, is under examination of the Government.

Thanking you,

Yours faithfully,

( H.C. JAYAL )  
Film Facilities Officer  
Tel: 381592

8  
14/5/91



## NEWS

### 'Pyaar Ka Taraana' All Songs Recorded

Producer-director Dev Anand recorded four more songs for Navketan and Sunico Productions' 'Pyaar Ka Taraana' between May 7 and 9. Four songs had been recorded earlier. The last four songs were rendered by Asha Bhosle, Sudesh Bhosle and S.P. Balasubrahmaniam. This completes the music side. Raamlaxman has scored the music. Harish Harwani is the joint producer.

FILM INFORMATION 18.5.91



## Hun bliver indisk filmstjerne

17-årige Maja Riis har fået hovedrollen i indisk kærlighedsfilm.

Af MADS KASTRUP

Maja Riis skal være filmstjerne - i Indien, Pakistan og Bangla Desh.

Det er i hvert fald målet med, at den 17-årige gymnasie-elev fra Vedbæk har fået hovedrollen i en 18 millioner kroner dyr kærligheds-film instrueret af Dev Annand.

Han er efter sigende en stor skuespiller og instruktør i Indien.

Og øjensynligt også en selv-

sikker kender af talent, når han ser det.

Han spottede nemlig straks Majas på en afstand af tre café-borde på Café Mont'en i København. Her var hans hovedrolle-indehaver, tænkte han.

»I Indien vil de blive forelskede i hende. Der er slet ingen tvivl om det,« siger instruktøren.

Filmen, der i øjeblikket optages i Danmark blandt andet på steder som ved Carlsbergs elefantport, på Christiania og ved Rundetårn, er et trekant-drama. Og en historie om kultur-sammenstød. En indisk dreng kommer til Danmark forelsker sig i en herboende indisk pige. Mens den danske pige, ved navn Christine, spillet af Maja, og som



Maja Riis på 17 år blev opdaget på en café og spiller nu hovedrollen i den indiske instruktør, Dev Annands kærlighedsfilm. 120 piger blev vraget før hende.  
Foto: Michael Stub

drengen bor hos, bliver forelsket i ham.

Producenten, der har smidt de 18 millioner kroner på bordet til denne historie, hedder Mangharam Harwani. Han er

medlem af foreningen af danske producenter, men har aldrig lavet en film før denne. Han har derimod beskæftiget sig med diverse forretninger og journalistik, oplyser han.

»Men Mr. Annand er meget, meget dygtig, så jeg er ikke nervøs,« siger Harwani.

Omkring juletid tager Maja med til Indien for at lægge lyd på filmen.



**DANMARKS  
BEDSTE TV-GUIDE**

Nr. 34 22. august 1991  
54. årgang. Kr. 15,25.

# BILLED

## BLADET



# DANSKE MAJA BLI'R INDISK STJERNE

■ - Jeg var på café i København med en af mine venner, da en indisk mand kom over og fortalte, at han ledte efter en dansk pige til en af hovedrollerne i en dansk-indisk film. Jeg vidste ikke rigtig, hvad jeg skulle tro, men ham jeg var på café sammen med, havde set annoncen, som søgte efter 'en ung smuk dansk pige' til filmrollen. Den blot 17-årige Vedbæk-pige Maja Riis er pludselig blevet filmstjerne.

Allerede en uge efter, hun blev opdaget, faldt afgørelsen. Takket være Majas kønne øjne og charmerende smil. Fil-

men, som er et kærlighedsdrama, handler bl.a. om et dansk par og et indisk par - og derfor skulle de bruge en pige med skandinavisk udseende.

- Jeg synes egentlig ikke, at jeg ser særlig skandinavisk ud, siger Maja, der bor sammen med sine forældre og en ældre søster nord for København. Efter sommerferien skal hun i 3. g på Østre Borgerdyd Gymnasium i København. Ud over at passe skolen og vennerne danser hun, spiller klaver og jobber som rengøringsassistent. Det er første gang, hun snuser til filmbranchen, og hun synes, det er drøm-spændende.

- Jeg synes, det er utrolig sjovt at filme.

Der sker noget hele tiden og det er meget afvekslende. Det kedeligste er ventetiden.

## Lærer at tale hindi

Maja har udover en smuttur til henholdsvis Paris og Sverige brugt sin sommerferie på at filme og læse manuskript. Hun har også lært hindi, fordi replikkerne er dels på hindi og dels på engelsk. Alle optagelser foregår i Danmark, og går alt efter planerne, skal de være færdige i september. Og i december tager Maja til Bombay, hvor al lyd skal laves. Filmen får premiere i de danske biografier i starten af næste år. □

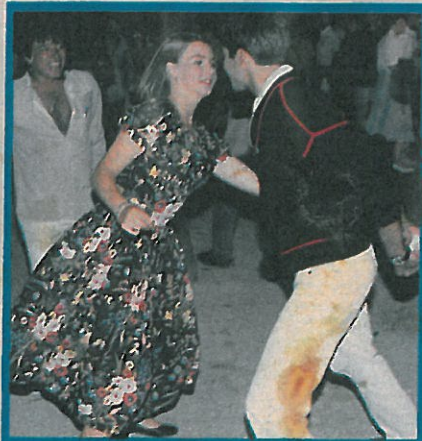
AF HANNE SØGAARD  
Foto: JERRY BERGMAN  
og MIKLOS SZABO

17-årig skolepige  
i internationalt  
kærlighedsdrama



Imellem optagelserne bliver der også tid til at dase hjemme i haven.

Koreograferne hjælper med at få dansetrinnene helt rigtige.



Her optages en scene, hvor Maja danser en indisk kærlighedsdans. Det vakte stor begejstring hos Tivolis gæster.

## INDIENS GREGORY PECK

■ - Jeg havde hverken hørt om filmen eller instruktøren Dev Anand og var ligesom mine forældre ret skeptisk. Jeg forhørte mig rundt omkring for at undgå fusk. En af mine klassekammerater er pakistansk, og hun fortalte mig, at Dev Anand er den største skuespiller i Indien og utroligt anerkendt. Når vi filmer, kan man virkelig se, at Dev Anand er stjerne. Alle indere og pakistanere står i kø for autografer og fotografering. Han bliver betegnet som Indiens Gregory Peck. □





# DEV CAPTURES DENMARK — ON CAMERA

By Beena Harwani

*It is an Indo-Danish Production which took Dev Anand to Denmark. Mr Mangharam Harwani of Sunico Productions from Denmark collaborated with Dev Anand of Navketan International Films, Bombay. The result of this mixed parenthood is the film, Pyar Ka Taraana! The idea was first mooted by Mr Mangharam Harwani a journalist cum businessman who invited Dev Anand to Denmark in October, 1990. One of our previous issues had carried the announcement of the film in Denmark. Harwani and Dev Anand travelled together all over Denmark, Sweden, Norway and Germany to find the locations and to get the inspiration for the film.*

The story and screenplay is written by Dev Anand himself and he will be behind the camera in this film and will only direct the

film. It is a love story, which is an international theme. The main language of the film is to be Hindi with eight songs, but the songs will

be cut from the English version, when it is dubbed in English for the European audience. The musical score is by the music



**WITH THE NIGHTINGALE:** Dev Anand is seen here in discussion with Lata Mangeshkar at the Bombay Lab during the recording of the first song of Pyar Ka Taraana. The co-producer Mangharam Harwani is looking on.

director of Ramlaxman, the lyrics are by the famous lyricist Hashmat rendered in the melodious voice of none other than Lata Mangeshkar. For Denmark, the film will be subtitled in Danish. One copy with the songs and one without will be made available here. One more speciality of this film is that apart from the Indian artists, many Danish artists are participating in it. The reputed actress Maja Riis is the heroine of the film. A character actor, Kim Jansson is also acting in it.

The film is scheduled to be shot at different scenic locations. They are — Tivoli, Bakken, Bellevue



**YOU ARE ON CAMERA!** Dev Anand is seen here calling the shots assisted by Stefen, Lasse Spang Olsen — with the camera, and cameraman Rajesh Patni.





**THE COLOURFUL CARNIVAL:** Mr Olsen is gulping up the colourful Carnival scenes in his camera, while Dev is giving him the directorial tips.



**ANGLING FOR A SWEEP SHOT:** Dev Anand and Lasse Spang Olsen perched on the 60 feet crane trying to capture Copenhagen.

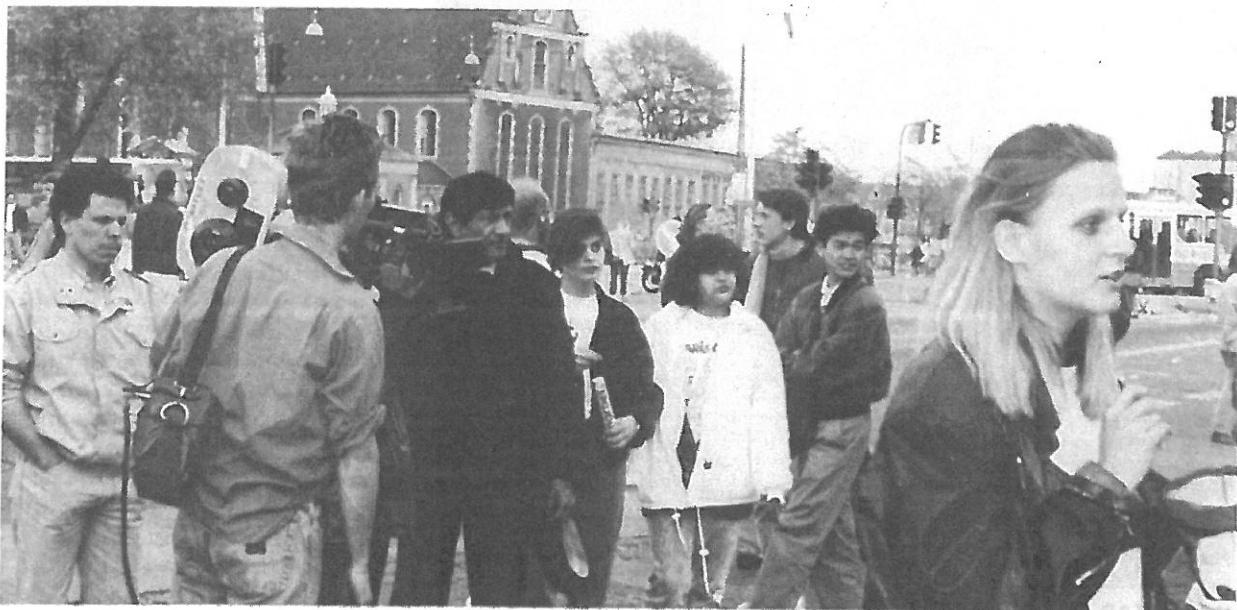
Strand, Legoland, near Mon, Scala, Carlsberg Brewery, City Arkaden, Strandvejen, Glyptotek Museum and on ships – M/s Romso and Christiania. Apart from Denmark, the film would also be shot at locations in Berlin including Stockholm.

The first phase of the shooting commenced in May in Copenhagen. The opening scene of the film showed the Carnival in Denmark. This is an important carnival and to capture the beauty of the carnival along with the natural

backdrop of Copenhagen, a 60 meters skycrane was used. These daring shots were filmed by Mr. Lasse Spang Olsen of Denmark and Mr. Rajesh Patni of India. The entire processing of the film will be done at Jonan Ankerstjerne Film Laboratory in Copenhagen. All the post production work and editing will be done at Anand Recording Studio in Bombay, India and the film will be ready for the premier by the end of this year. The photographs show some interesting moments of the film

shooting. Dev Anand, who is completely behind the camera this time called the shots with precision and ease. There were some interesting moments too amidst the busy shooting schedule. The Danish actors understood the Indian script very well and emoted exactly as Dev directed them.

The second phase of the shooting would need 60 to 70 days of shooting at a stretch. The viewers would be treated with the unique coverage of Denmark and a script to match it.



**CURIOS ONLOOKERS:** Here, the shooting is in progress at a busy street in Copenhagen with Dev and his crew and is being watched by the curious onlookers.





**Stadsingeniørens direktorat**  
**Stadsgartnerens kontor**  
Tomsgårdsvej 35, 2400 København NV. Tlf. 38 34 67 11 Fax 31 10 26 12

Dato 23. august 1991  
Jr. nr. SG 13<sup>10</sup>-b-  
lokal

—  
Det meddeles herved, at Sunico Productions, v/hr. M. Harwani, Studsgårdsgade 7, 2100 København Ø., har fået tilladelse til at foretage filmoptagelser i Bellahøjparken den 23. august 1991 fra kl. 22.00 - ca. 4.00.

*P. Dahl*

P. Dahl.

—  
vicestadsgartner.





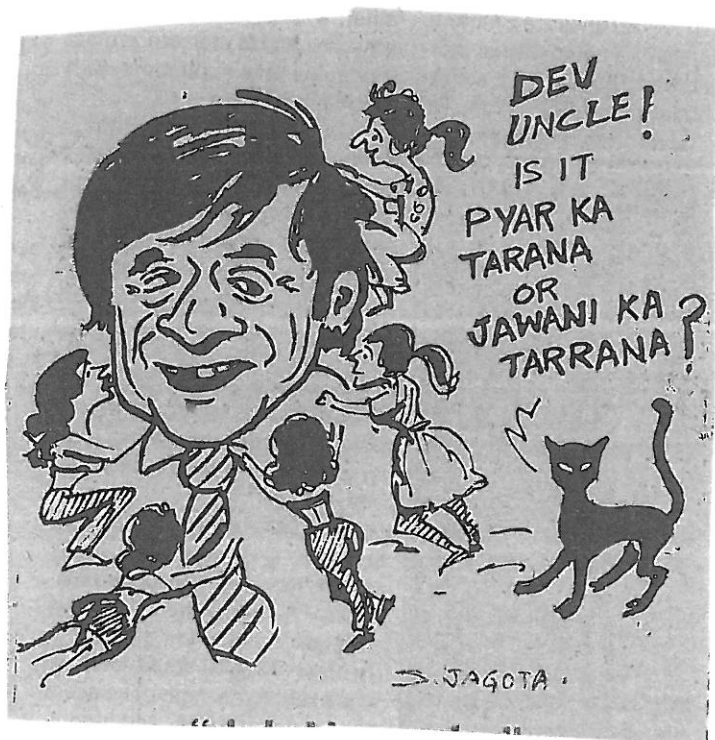
*Director Dev Anand explains a scene of PYAR KA TARAANA to Henning Sproge in Denmark. On the left is producer Mangharam Harwani.*

FILM INFORMATION 31-8-'91



( 3 ) SAMACHAR POST, Sunday, September 29, 1991.

# Production progress





Ugeblad nok til hele ugen

# Familie Journalen

Nr. 41 . 7. oktober 1991 . 115. årgang . Kr. 14,75

**Danske  
Maja er  
stjerne  
i indisk  
film**





## Maja skulle bare på café med vennerne:

17-årige Maja Riis var på café i det indre København, da en orientalsk udseende herre bad hende komme over til sit bord. Det viste sig at være en af Indiens mest kendte filminstruktører, der ledte efter en dansk pige til sin nye film. Dagen efter havde gymnasiepigens fået hovedrollen i en stor indisk kærlighedsfilm

# Nu er jeg stjerne i en indisk film

AF SUSANNE BLOCH. Foto: Karl Ravn og Torkel Dyrting



### ARTIKEL

Mange unge danske piger går rundt med en hemmelig drøm om en dag at finde nåde for en talentspejders sikre øje og vågne op til rigdom og berømmelse. For de fleste bliver det dog ved drømmen.

For 17-årige Maja Riis blev drømmen imidlertid til virkelighed, da hun i foråret blev udvalgt til at spille hovedrollen i en indisk kærlighedsfilm, hvis handling udspiller sig i København.

Før optagelserne til filmen var Majas eneste erfaring med hovedroller hendes ageren foran sin fars videokamera hjemme i haven i Vedbæk nord for København. Og spørger man gymnasieeleven, hvad hun gjorde for at få tilbudt rollen i den indiske film, slår hun grinende ud med armene og svarer: "Ingenting!"

Majas eventyr begyndte en

fredag aften i april, hvor hun sammen med et par venner var på café i København for at more sig. Ved et bord i nærheden sad tilfældigvis én af Indiens mest kendte filminstruktører, Dev Annand, som var i Danmark for at forberede optagelserne til sin nye film – og for at finde den helt rigtige danske pige til én af hovedrollerne i filmen.

Han fik øje på mørkblonde Maja Riis med de flotte grønblå øjne, og pludselig mærkede Maja nogen prikke sig i ryggen. En pige bad hende følge med over til den indiske filminstruktørs bord:

– Jeg vidste ikke, hvad jeg skulle tro, og havde først ikke tænkt mig at følge med. Men én af mine venner kunne huske at have set i avisen, at den indiske instruktør var i byen, og jeg tænkte, at der sker jo ikke noget ved at gå hen og snakke med

ham, fortæller Maja.

Det blev kun til en kort snak. Ligesom de ca. 120 andre danske piger, den indiske instruktør havde haft kig på, blev Majas adresse og telefonnummer skrevet op:

– Faktisk regnede jeg ikke med, at der ville ske mere, siger Maja.

Men allerede næste dag blev hun ringet op for at aftale et nyt møde med Dev Annand. I mellemtiden havde Maja fortalt sine forældre om aftenens møde. Og da de var mindst lige så usikre på projektet som hun selv, tog hendes far med til mødet. Imens gav Majas mor sig til at ringe rundt til danske filmfolk, der kunne oplyse, at Dev Annand var en anerkendt og meget berømt instruktør i Indien. Mødet med instruktøren efterlod kun et positivt indtryk, og en lille uge senere havde Maja fået rollen.

### Forbudt at kysse

Det var Majas rene ferskenhud og havfruegrønne øjne, der blev afgørende for instruktørens valg. Dev Annand har instrueret i stribevis af indiske kærlighedsfilm og kender indernes smag for unge uskyldigt udseende piger. Indiske film er mere kyske end danske, og det er for eksempel uhørt, at man så meget som kysser hinanden på det hvide læred.

Indere har i det hele taget et helt andet forhold til film og skuespillere, end vi har her i landet. I Indien forguder publikum filmstjernerne, fortæller Maja, der kan se frem til snart selv at blive feteret af millioner af indiske fans:

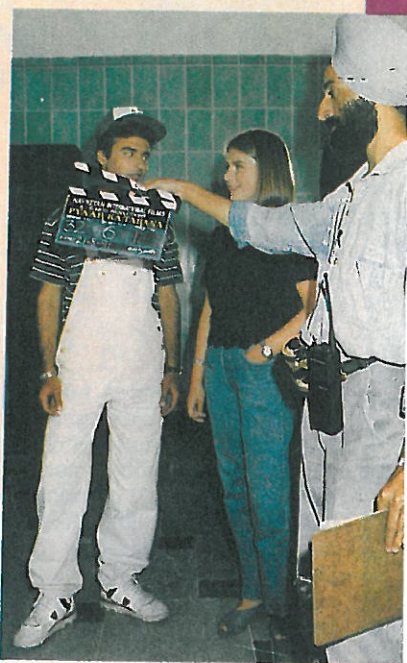
– Da jeg fik rollen, fortalte Dev Annand, at jeg nok bliver et kendt ansigt i Indien, men det ligger jeg ikke vågen og spekulere



Den 17-årige Maja glæder sig over sin hovedrolle



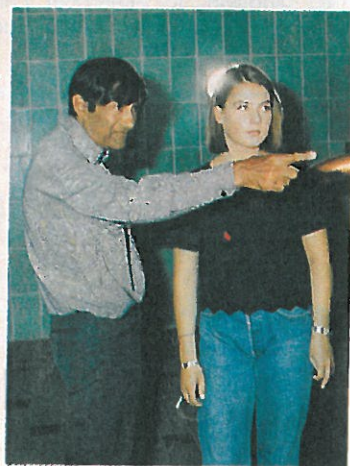
Maja sammen med sine to indiske hovedrolle-medspillere under optagelserne i Tivoli



Det indiske filmhold består af 35 personer. Filmen koster 18 millioner kr. at producere



Maja slapper af med lidt klaverspil hjemme i Vedbæk. Hun er hverken gift eller forlovet. Til gengæld er hun på vej mod stjernehimlen på den indiske filmhimmel



Filmens instruktør Dev Anand viser Maja til rette under en optagelse på Carlsberg Bryggeriet

### Det kniber med hindi

Majas debut som filmstjerne begyndte ellers knap så glamourøst. I første scene kommer hun gående bag ved den indiske dreng. Hun skal sige "hej" til ham, og han skal vende sig og lidt henkastet slynge jakken over skulderen og hilse igen. Men Maja kommer for tæt på og får jakken lige i ansigtet, idet hun siger "hej".

— Hele filmholdet grinede og klappede, og jeg stod bare og

tænkte "Hvad sker der?", indtil de forklarede mig, at sådan går det ofte i den første optagelse.

I det hele taget har Maja haft nemt ved at samarbejde med det indiske filmhold. I filmen er der flere dansescener, som hun har klaret uden problemer takket være mange års undervisning i jazzballet. Det største problem er sproget. En tredjedel af replikkerne er på det indiske hindi, og resten er på engelsk. Det sidste går nemt nok, men det kniber mere med at udtale ordene på hindi:

— Jeg kan ikke forstå sproget, og når jeg taler hindi, er det nogle lyde, jeg har lært at sige udenad.

Det er dog ikke Maja, der synger i filmen. I dansescenerne mi-

mer hun til teksten, som senere skal indsynges af en indisk sangerinde. Maja rejser i øvrigt også selv til Indien i december for at lægge lyd på filmen, der har indisk premiere i starten af det nye år. Det er planen, at filmen også skal vises i Danmark, men datoen for premieren er endnu ikke fastsat.

I øjeblikket har filmdivaen og gymnasieeleven travlt med at passe både filmoptagelser og lektier i 3.g på Østre Borgerdyd Skole. På trods af sin filmstjerne-status har Maja dog ikke fået primadonnanykker og holder stadig fast på sin fremtidsplan om at fortsætte med et studie efter studentereksamen. Men som hun selv siger: "Man ved jo aldrig..."



# Indisk filmare söker nordiska ansikten

● – Hittar jag de rätta personerna slår jag till direkt.

Mangharam Harwani, indisk journalist och filmproducent i Köpenhamn, satsar på den nordiska filmmarknaden för indiska filmer.

Efter "Pyaar ka Taraana" (Kärlekens melodi), som SkD berättade om häromdagen med svenskan Maja Riis, är Mangharam Harwani på gång med nya filmprojekt med indiska och nordiska skådespelare.

– Satsar på en ny filmberättelse som handlar om kärlek och sjukdom och behöver nya ansikten i rollerna, berättar han.

Indisk film är på gång i Norden. Det är den sedan 20 år i Danmark boende Mangharam Harwani som hittat en ny marknad för asiatisk film.

– Jag är banbrytare inom indisk film genom att flytta inspelningarna utanför de vanliga gränserna för asiatisk film, säger Harwani.

– Det är den vackra nordiska naturen och de för den indiska filmpubliken exotiska människorna som lockar.

– Min princip är att blanda indiska proffsskådespelare med nordiska skådespelare och nya ansikten. Jag tror på den här filmblandningen vilket min första film också bevisar.

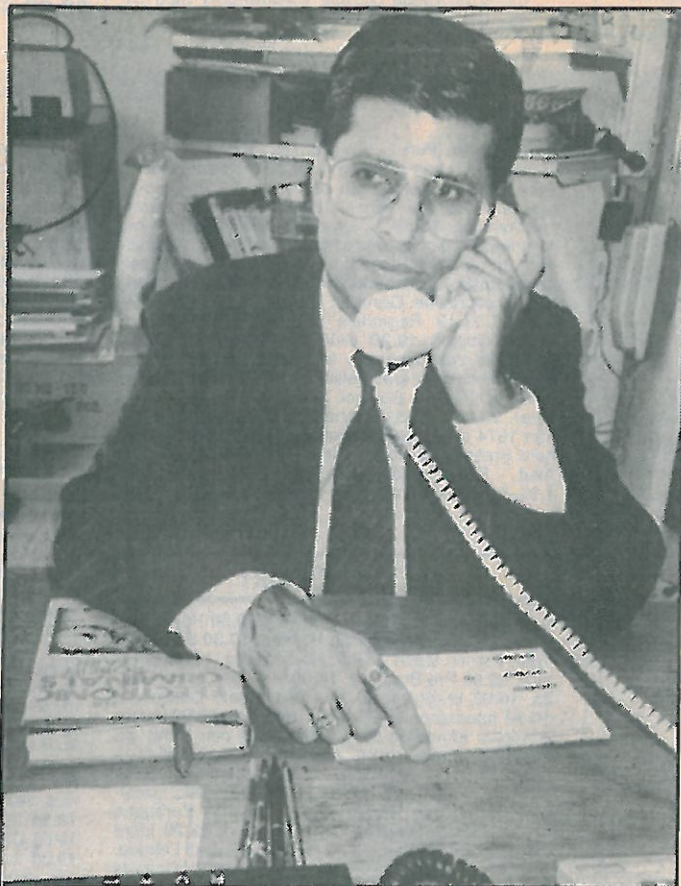
"Pyaar ka Taraana" (Kärlekens melodi) har en typisk handling för den indiska filmkonsten. Pojke möter flicka och kärlek med både lycka och sorg uppstår och däremellan dansar och sjunger man till vackra indiska melodier.

– De indiska filmerna har lite musicalkaraktär över sig, de skiljer sig ganska väsentligt från den sk västerländska filmtraditionen, berättar Mangharam Harwani.

## Letar ansikten

Nu är Mangharam Harwani snart igång med ytterligare filmer. Förra året reste han runt i Sverige – Österlen och Skåne bl a – och letade nya intressanta ansikten.

– Till min nästa fim som heter "The fate" behöver jag en del duktiga ungdomar som kan agera framför en kamera.



Indiern Mangharam Harwani satsar på Norden.

LARS C TISELL  
text o foto

– Genom att jag tar över de främsta regissörerna från Indien behöver mina skandinaviska skådespelare inte vara helproffsiga, man kan komma långt på spelglädje och viljan att spela ut sina känslor.

I "Pyaar ka Taraana" engagerade Harwani Indiens främste regissör, Dev Anand och skådespelaren Manu Gargi och plockade in bl a Lundastudenten Maja Riis i en av de ledande rollerna.

Mangharam Harwani säger:

– De som blir utvalda får miljon, ja miljardpublik då de indiska filmerna går ut över hela Indien, östra Asien, Indonesien, Arabvärlden och Afrika.

## Miljonsatsningar

– Den indiska filmmarknaden är den största i världen och det görs över 600 filmer varje år och enbart i Indien finns det 25 dag-

liga filmtidningar. Så marknaden och intresset är mycket stor.

Bortåt 25 miljoner beräknas den nya filmen "The Fate" kosta och inspelningen kommer göras i både Danmark och Sverige.

– Beräknar att vi spelar in vissa scener i Köpenhamn och sedan satsar på några vackra platser i Skåne och drar vidare till Stockholm och Örebrotrakten.

– Jag är förhoppningsfull inför framtiden och tror det här greppet att förnya den indiska filmen "utseendemässigt" kommer gå hem. Min första film ha redan sålts till USA och andra länder förutom den indiska marknaden.

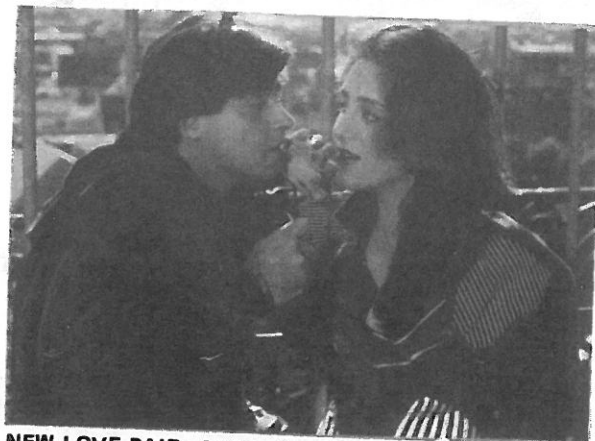
Indiska tidningar har skrivit många reportage om den nordiska satsningen som 45-åriga Mangharam Harwani gjort. De nordiska länderna och naturen är rena exotismen för den indiska filmpubliken.



## DANMARK



**WITH THE AUSPICIOUS FRUIT:** The Ambassador Miss Roma Mazumdar is giving a clap to the Muhurat shot of the film.



**NEW LOVE PAIR:** Akshay Anand in a romantic scene with Aneeta Aayooob in the film.

### PYAR KA TARAANA

The second phase of shooting has started in Copenhagen and at the various other beautiful locations such as Walking Street, Tivoli, Bakken, Round Tower, Scala, Carlsberg, Bellevue Strand beach, Swimming Pool and Christiana. Hitherto no cameras have been allowed inside Christiana. Parikshit Sahni, Sushma Seth and Reema Lagoo left after finishing their work. More than half of the filming has been completed and the rest of the work will be completed soon.



**SMOOTH SAILING:** Seen here are Producer Mr. Mangharam Harwani, Mr. Dev Anand and unit members with the Deputy Police Commissioner at one of the locations of the film.



# सुषमा

सितंबर 1991

वर्ष 33 अंक 9

मूल्य : एक प्रति: 9.00

वार्षिक : 100.00

प्रधान कार्यालय :

13/14, आसफ़ अली रोड,

नई दिल्ली - 110 002

फ़ोन : 732666, 732667,  
732668 (20 एक्सटेंशंस)

तार : 'शमा' नई दिल्ली - 2

टेलीक्स:

3161601 SHMA IN

संस्थापक स्वर्गीय यूसुफ़ देहलवी

संपादक : यूसुस देहलवी

इदरीस देहलवी, इलियास देहलवी

प्रकाशक : यूसुस देहलवी

मुद्रक : शमा प्रेस, शाहदरा दिल्ली

'सुषमा' में प्रकाशित सभी कथा-रचनाओं के चरित्र, नाम, स्थान और घटनाएं कल्पित होती हैं. वास्तविकता से उनका किसी प्रकार का संबंध नहीं, और न उन के लिए लेखक, संपादकवृंद व प्रकाशक उत्तरदायी हैं. प्रकाशित सभी प्रतियोगिताओं में संपादकवृंद का निर्णय अंतिम व संपूर्ण होगा.

मुख्य पृष्ठ: आमिर खां  
(छाया: गौतम राजाध्यक्ष)

\*अभी कुछ दिन पहले की बात है. मुसाफिर के फोन की घंटी बजी. फोन करने वाले ने बताया 'मैं हरवानी हूं और कोपन हैगन, डेनमार्क सेबोल रहा हूं. आजकल मैं देव आनंद के साथ मिलकर 'प्यार का तराना' बना रहा हूं जिसके लिए देव आनंद और दूसरे बहुत से आर्टिस्ट इंडिया से डेनमार्क आए हुए हैं."

जब मुसाफिर ने एम. हरवानी से उनकी इस फिल्म के बारे में व्याख्या चाही तो उन्होंने बताया:

"मैं कोपन हैगन में बिजनेस के साथ जर्नलिज्म के पेशे से भी जुड़ा हुआ हूं. इस फिल्म के बनाने का खयाल आया तो मैंने अक्टूबर 1990 में देव आनंद को डेनमार्क आने का निमंत्रण दिया. और फिर जब मिलकर फिल्म बनाने की बात पक्की हो गई तो मैं और देव साहब एक साथ डेनमार्क स्वीडन, नार्वे, और जर्मनी की यात्रा पर निकल पड़े. इस यात्रा में हम दोनों ने अपनी फिल्म के लिए लोकेशन तलाशे बल्कि फिल्म का पहला शूटिंग शैड्यूल मई 1991 में डेनमार्क में किया और दूसरा शैड्यूल 12 जुलाई से डेनमार्क के विभिन्न स्थानों पर रखा, जो इस समय भी चालू है. इस शैड्यूल में परीक्षित साहनी, सुषमा सेठ, रीमा लागू अपना काम पूरा करके एक अगस्त को स्वदेश वापस चले गए. इन दो शैड्यूलज में हमने फिल्म की आधी से ज्यादा शूटिंग पूरी कर ली और 25 अगस्त तक हम यूरोप का काम पूरा कर लेंगे.

"हमने अपनी फिल्म का आरंभ 25 अप्रैल 1991 से गीतों की रिकार्डिंग से बंबई में किया था. हमारी फिल्म में कुल 8 गीत हैं जिन्हें एम.जी.हश्मत ने लिखा है और राम लक्ष्मण ने उन की धुनें बनाई हैं. कहानी और पटकथा लेखक देव आनंद हैं. वे इस फिल्म को डायरेक्ट भी कर रहे हैं. देव साहब की यह पहली फ़िल्म है जिसमें वे कैमरे के पीछे ही रहेंगे. हमारी यह फिल्म अंतर्राष्ट्रीय थीम पर है. इसके बावजूद यह एक रोमांटिक फिल्म है. इसे हम हिंदी में बना रहे हैं. मगर बाद में इसे अंग्रेजी में डब करके यूरोप की मार्केट में भी पेश किया जाएगा. डेनमार्क में यह फिल्म डैनिश सब टाइटलज के साथ दो रूपों में प्रस्तुत की जाएगी. एक रूप में गीत होंगे, दूसरे में नहीं होंगे.

"फ़िल्म का तीसरा और अंतिम शूटिंग शैड्यूल चार-पांच दिन का होगा जो बंबई में किया जाएगा. 'प्यार का तराना' में हम तीन नए चेहरे पेश कर रहे हैं. उन में से दो हीरोइने हैं. डेनमार्क से मार्जिरिसिस और पाकिस्तान से अनिता अय्यूब. तीसरा चेहरा





कोपन हैगन (डेनमार्क) में फ़िल्म 'प्यार का तराना' के मुहूर्त पर फ़िल्म के प्रोड्यूसर मंघा राम हरवानी, अन्य प्रोड्यूसर और डायरेक्टर देव आनंद फ़िल्म के सितारे और यूनिट के अन्य सदस्य डेनमार्क में भारतीय राजदूत मिस रोमा मजूमदार (साढ़ी में) के साथ नया हीरो मुनू गार्गी भारत से है. फ़िल्म को नवंबर या दिसंबर में प्रदर्शन के लिए प्रस्तुत कर दिया जाएगा."

एम. हरवानी ने मुसाफ़िर को आमंत्रित किया कि वे अपनी व्यस्तताओं में से कुछ समय बचाकर कोपन हैगन आए और अपनी आंखों से देखें कि इस फ़िल्म की किन-किन स्थानों पर कैसी कैसी शूटिंग हो रही है. मगर मुसाफ़िर ने हरवानी से क्षमा याचना कर ली. फिर भी उस की शुभकामनाएं हरवानी और देव आनंद के साथ हैं जो बड़ी खामोशी के साथ एक नई प्रकार की फ़िल्म बनाने में व्यस्त हैं.

\*अगर एक तरफ़ फ़िल्म 'दिल है कि मानता नहीं' में एक नया गीत सम्मिलित किया गया है



## Denmark

by, M. Harwani



Mr. M. Harwani (2nd right), co-producer of the Dev Anand film "Pyar Ka Tarana", seen at the initial shooting of the film in Copenhagen. Rajesh Patni (extreme left), film cameraman from India is also seen in the picture.

Bharat Ratna August 1991

## Copenhagen

by M. Harwani



Producer Mangharam Harwani of Sunico Productions, Dev Anand of Navketan Intl Films and some of the film unit members and artistes with the Indian Ambassador, Miss Roma Mazumdar after the Muhurat of "Pyar Ka Tarana."



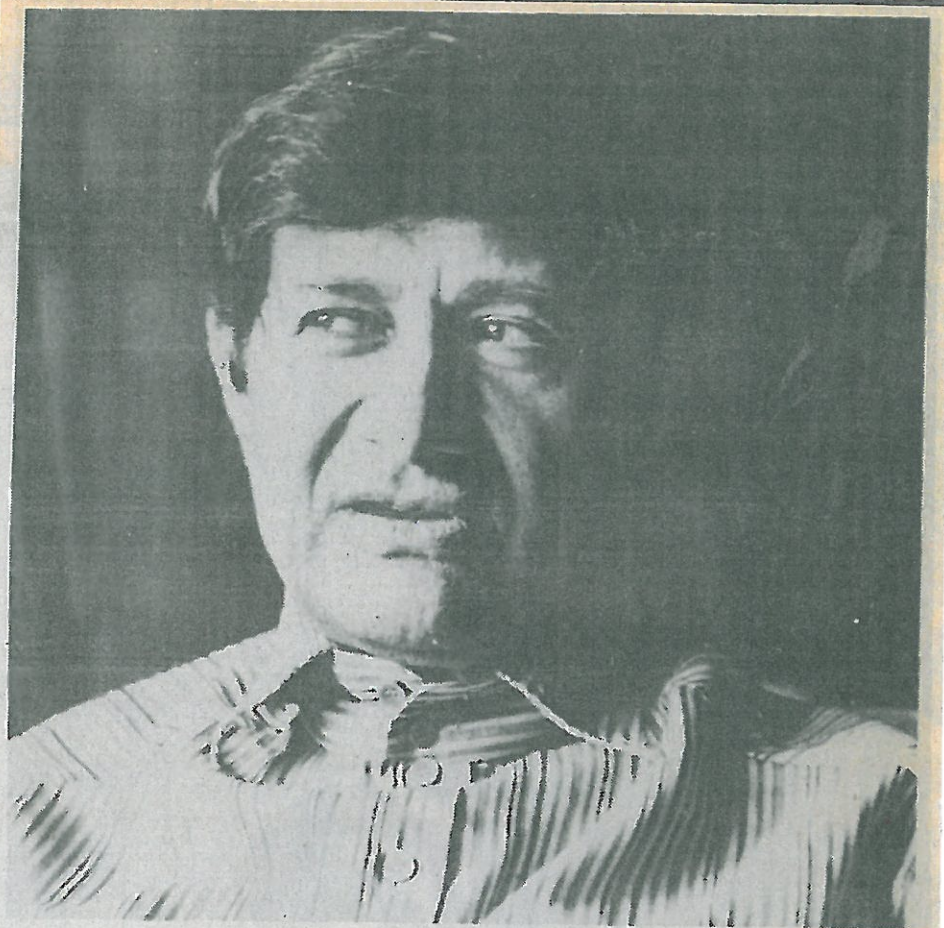
Akshay Anand and Aneeta Ayook in a shot from "Pyar Ka Tarana" being filmed in Denmark. The movie is a joint venture between Dev Anand of Navketan Films and Mangharam Harwani of Sunico Productions.



# RENDEZVOUS

# SCREEN

BOMBAY: FRIDAY, NOVEMBER 8, 1991



**W**E had been hearing a lot about this new film that Dev Anand was making called 'Pyar Ka Taraana' - just hearing about it. The film was shot on virgin locales of Denmark we had been told by Navketan insiders so we decided to pay Dev Anand a visit at his penthouse atop Pali Hill. Dev proudly displayed the working stills of 'Pyar Ka Taraana' to us and the moment we saw them we knew that his pride was justified - the smile on his face was that of a man who had put in sincere efforts. "We have worked almost sixteen hours a day for nearly two

months" said a relaxed Dev "the locations are indeed out of this world. Never before have such lavish locales been used by Indian filmmakers. As a matter of fact we have shot at the Osho Commune where entry is banned even to the police. My film is about love and the beautiful locales will add to the romance of the film. 'Pyar Ka Taraana' is a lavish film - as lavish as they come and I promise you it will be a treat for the eyes." We take you for your word Dev but when will the film be released we ask and Dev says: "At the moment I am busy with the release of 'Sau Crore' a little while after the release of 'Sau Crore' - 'Pyar Ka Taraana' will follow." We will wait till then.





FREDSBUDET

ISSN-0902-8567 NOV-DEC 1991 VOL. 2 No. 6

शांतिदूत

SHANTI DOOT

NORWAY

VOICE OF INDIAN IMMIGRANTS

N. Kr. 25

### डेनमार्क में भारतीय फिल्म

भारतीय फिल्में अब डेनमार्क में भी दिखाई जाएंगी। भारत और डेनमार्क के सहयोग से हाल ही में 'प्यार का तराना' नामक फिल्म बनी है। इसमें एक पाकिस्तानी अभिनेत्री को भारतीय लड़की की भूमिका में दिखाया गया है। हिंदी में बनी इस फिल्म के निर्देशक देव आनंद ने बताया कि फिल्म में डेनमार्क की एक लड़की की भी भूमिका है। यह फिल्म केवल 51 दिनों में तैयार की गई। इसके उप शीर्षक डेनिस भाषा में होंगे।

इस फिल्म में मॉडलिंग के क्षेत्र से फिल्मी जगत में आई सुश्री अनीता अयूब तथा दिल्ली के एक नाटककार के पुत्र मनु घाडगे प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसका निर्माण संयुक्त रूप से 'नवकेतन इंटरनेशनल' और डेनमार्क के एक आप्रवासी भारतीय की कंपनी 'सुनिको प्रोडक्शन' ने किया है।



देवआनंद के निर्देशन में विदेश में बनी फिल्म जो राजनीति का विषय बन गई है.

आने वाली, फिल्म

# प्यार का तराजा



**पिं**की (अनिता अय्यूब) एक शोख बेपरवाह, आकर्षक रंगरूप की लड़की थी. उसके माता-पिता (रीमा लागू - परीक्षित साहनी) कोपनहेगन (डेनमार्क) में जा बसे थे. और वह पूरी तरह डेनमार्क की सभ्यता के रंग में रंग गई थी. एक सुंदर डेनिश युवक किम (अक्षय आनंद) के लिये वह अपने दिल में एक विशेष आकर्षण महसूस करने लगी थी. किंतु किम शादी के बंधन का अधिक पक्षधर नहीं था. उसकी एक और गर्लफ्रेंड भी थी जिसका नाम क्रिस्टीना (माजा रीज) था.

पिंकी की दादी (सुषमा सेठ) भारत से कोपनहेगन आई तो वे हर वक़्त पिंकी को आड़े हाथों लेने लगीं. पिंकी की निश्छलता उन्हें एक आंख न भाई थी. उन्होंने पोती को सुधारने की ठान ली. डेनमार्क में बसे हुए एक भारतीय नवयुवक प्रेम (गिरजा शंकर) से शादी करने का विचार उन्होंने पहले ही से बना रखा था. एक दिन उन्होंने प्रेम को अपने घर बुला लिया, ताकि पिंकी के माता पिता भी उसे देख लें. मगर पिंकी ने ऐसा हंगामा खड़ा किया कि दादी का सारा मनसूबा मिट्टी में मिल गया.

उन्हीं दिनों गौतम (मनु गार्गी) रोजगार की तलाश में कोपनहेगन पहुंचा. वह अपने धनवान पिता से लड़-झगड़ कर घर से भागा था. उसे झोंपड़-पट्टी में रहने वाली एक गरीब, खूबसूरत लड़की उषा से प्रेम था, मगर उसके पिता उषा को अपनी बहू के रूप में स्वीकार करने का तैयार न हुए. इस पर गौतम ने उषा को बंबई में ही छोड़ा और स्वयं समुद्री जहाज से डेनमार्क का रुख किया. उसने उषा से वादा किया कि कुछ अर्से बाद वह फिर बंबई आएगा और उसे जीवनसाथी बनायेगा.

कोपनहेगन पहुंचने के बाद उसे क्रिस्टीना के घर में शरण मिली

एक कन्सर्ट में दादी, किम, पिंकी और पिंकी के माता-पिता से गौतम की मुलाकात हुई तो गौतम ने सबसे दिल में घर कर लिया. पिंकी को गौतम की तरफ खिंचते देख कर पिंकी के माता-पिता और दादी को पिंकी को सुधारने का नया मनसूबा सूझा, जिसके लिये उन्होंने गौतम से मदद मांगी. गौतम ने उन्हें साफ बता दिया कि वह शादी उषा से ही करेगा. इस लिये वह इस शर्त पर उनके साथ सहयोग कर सकता है कि पिंकी के सुधार का काम पूरा होते ही उसे छुट्टी दे दी जाएगी.

क्रिस्टीना के कहने पर किम ने गौतम को अपनी बियर फैक्टरी में नौकरी दे दी. उसकी बुद्धि व लगन की बदौलत देखते ही देखते किम का बिजनेस बढ़ने-फूलने लगा. लेकिन पिंकी को गौतम के करीब होते देख कर किम को गौतम से जलन होने लगी. पिंकी इस बीच धीरे-धीरे पूर्वी विचारों में बह गई थी. इस लिए जब गौतम ने कहा कि वह उससे प्यार करता है तो उसका दिल खुशी से झूम उठा. लेकिन किम के दिल में गुस्से की आग भड़क उठी.

प्रेम अभी तक पिंकी से शादी करने के सपने देख रहा था. वह पिंकी के माता-पिता और दादी के सामने प्रायः भारतीय सभ्यता, परंपराओं और अपनी दौलत का राग अलापता रहता था. पिंकी के घर वालों को यह नहीं मालूम था कि प्रेम का धन-दौलत उसके रेस्टोरां की नहीं, नशीली दवाओं के फैले हुए धंधे की देन है.

गौतम अपने मिशन में सफल हो गया. उसकी वजह से पिंकी बिलकुल बदल गई. अब वह अपने आप को गौतम की शर्मिली लजाती दुल्हन के रूप में देखती थी. एक दिन उसने अपने माता-पिता से कह ही दिया कि गौतम से उसका रिश्ता कर दें. यह सुन कर गौतम सटपटा गया. सोच-विचार के बाद उसने पिंकी को साफ बता दिया कि यह सारा नाटक उसकी सांस्कृतिक जड़ों तक वापिस ले आने और उसे किम से दूर करने के लिये रचाया गया था. यह जान कर पिंकी का दिल टूट कर रह गया.

उधर बंबई में जब उषा को गौतम का पत्र मिला कि वह वापिस भारत आ रहा है तो वह तुरंत भागी-भागी अपने माता-पिता को यह खुशखबरी सुनाने के लिये गई. उसके माता-पिता उस वक़्त एक धार्मिक सभा में थे. उषा के वहां पहुंचते ही आतंकवादी भीड़ पर अंधाधुंद फायरिंग करने लगे. उषा को भी गोली लगी और उसने वहीं दम तोड़ दिया.





गौतम को उसके पिता ने कोपनहेगन पहुंच कर उषा की मौत का समाचार सुनाया तो सदमे से उसका बुरा हाल हो गया. लेकिन फिर उसने भाग्य के निर्णय के आगे सर झुका दिया. उषा से जो उसने वादा किया था, अब वह उसका पाबंद नहीं रहा था. इस तरह गौतम और पंकी के मिलन राह फिर तैयार हो गई. प्रेम ने आखिरी वार के तौर पर पंकी का जबरदस्ती अपहरण करने की कोशिश की. भयानक टकराव के बाद उसकी मात हुई और वह मारा गया. यह भेद पहले ही खुल चुका था कि वह नशीली दवाओं का व्यापार ही नहीं, अपराधों की दुनिया का सरदार, कातिल और सुंदर लड़कियों की इज्जत का लुटेरा भी है. प्यार के नशे में चूर पंकी और गौतम का प्यार का तराना कोपनहेगन की हवाओं में हर तरफ गूंज उठा, और किम के लिये क्रिस्टीना की चाहत जिंदगी भर के साथ में बदल गई. ●●





साप्ताहिक

# जनगण

वर्ष 33

अंक: 18

जोधपुर रविवार 22 दिसम्बर 1991

फोन कार्यालय 20429 व 28216 निवास 20515

पोस्टल रजि. नं. आर.जे. 3504

साप्ताहिक जनगण

22 दिसम्बर 1991 पृष्ठ 4

फिल्म

नई फिल्म

प्यार का तराना

**पिंकी** (अनिता अय्यूब) एक शोख लापरवाह और आकर्षक रंग-रूप की लड़की है। उसके माता-पिता (रीमा लागू-परीक्षित साहनी) यूं तो मूल रूप से भारतीय हैं, पर काफी असे से वे कोपनहेगन (डेनमार्क) में रह रहे हैं। पिंकी एक डेनिश युवक किम (अक्षय आनंद) को चाहती है, पर किम शादी के पक्ष में नहीं है। फिर उसकी एक और गर्लफ्रेंड हैं, जिसका नाम है क्रिस्टीना (माजारीज)।

पिंकी की दादी (सुषमा सेठ) जब भारत से कोपनहेगन पहुंचती है, तो उसे पिंकी की स्वतंत्रता जरा भी नहीं भाती। लिहाजा वह पिंकी को सुधारने की खातिर डेनमार्क में ही बसे एक भारतीय नवयुवक प्रेम (गिरिजा शंकर) से उसकी शादी का प्लान बनाती है। इस पर पिंकी ऐसा हंगामा खड़ा कर देती है कि दादी की सारी योजना धरी की धरी रह जाती है। इसी दरमियान बंबई से गौतम (मनु गार्गी) भी कोपनहेगन पहुंचता है, जो बंबई में एक लड़की उषा से प्यार करता है। कोपनहेगन पहुंचकर वह क्रिस्टीना के घर पर रहने लगता है।

कोपनहेगन में एक बार गौतम की मुलाकात पिंकी, दादी, किम और पिंकी के माता-पिता से होती है, तो वह सबका दिल जीत लेता है। पिंकी भी उसकी ओर आकर्षित हो जाती है। इसी के चलते पिंकी के माता-पिता, गौतम से मदद मांगते हैं, ताकि पिंकी सुधर सके। इस पर गौतम उन्हें साफ बता देता है कि वह इस शर्त पर उनके साथ सहयोग कर सकता है कि वह शादी उषा से ही करेगा।

क्रिस्टीना के कहने पर किम, गौतम को अपनी फैक्ट्री में नौकरी दे देता है।

लेकिन बाद में पिंकी को गौतम के करीब देखकर उसे (किम को) गौतम से जलन होने लगती है। उधर प्रेम अभी तक पिंकी से शादी करने के सपने देख रहा था। पिंकी के घरवाले यह नहीं जानते थे कि प्रेम का नशीली दवाओं का कारोबार है।

वक्त के साथ गौतम अपने मिशन में सफल हो जाता है। उसकी वजह से पिंकी बिल्कुल बदल जाती है। अब वह अपने आपको गौतम की दुल्हन के रूप में देखने लगती है। आखिरकार गौतम काफी सोच विचार कर पिंकी को बता

देता है कि यह सारा नाटक उसे किम से दूर करने के लिये ही किया गया था। यह जानकर पिंकी का दिल टूट जाता है।

दूसरी तरफ बंबई में जब उषा को गौतम का पत्र मिलता है कि वह वापस भारत आ रहा है, तो वह तुरंत भागी-भागी एक धार्मिक सभा में मौजूद अपने माता-पिता को यह खुशखबरी सुनाने पहुंचती है। पर तभी वहां आतंकवादी आते हैं और अंधाधुंध फायरिंग करने लगते हैं। उषा को भी गोली लगती है और वह वहीं दम तोड़ देती है।

जब गौतम को उषा की मौत का समाचार मिलता है, तो उसका बुरा हाल हो जाता है। इसी दरमियान एक टकराव में प्रेम की मौत हो जाती है।

अंत में गौतम और पिंकी का फिर से मिलन हो जाता है और उनके प्यार का तराना कोपनहेगन की वादियों में गूंज उठता है। उधर किम और क्रिस्टीना का भी मिल हो जाता है।

निर्माता-निर्देशक-वेब आनंद  
संगीतकार- राम लक्ष्मण



## DANMARK



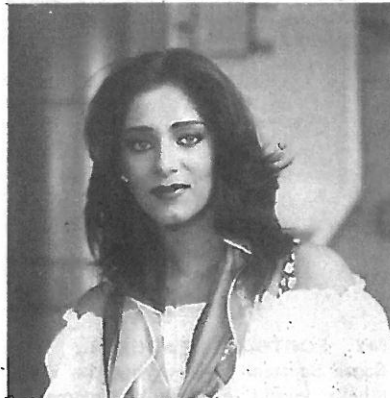
**ENTICING THE INDIAN GIRL:** The handsome young Kim, enacted by Akshay Anand is an interesting character who falls in love with the heroine.



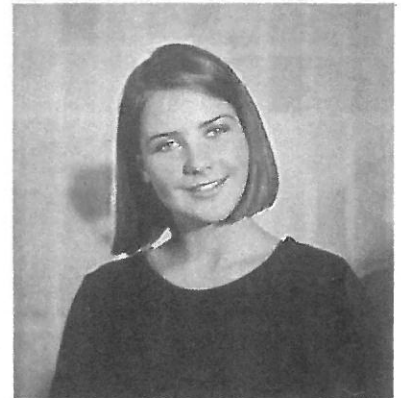
**THE RAVISHINGLY BEAUTIFUL HEROINE:** Aneeta Ayoob is the heroine from Pakistan who enacted the part of Pinky, the girl of Indian origin brought up in Copenhagen.

### LOVE STORY HAS A HAPPY ENDING

There was a happy ending to the love story, *Pyar Ka Taraana* produced in Denmark. The co-producer Mr. M. Harwani can rest now since the shooting was completed without any hitch. Completely shot at the scenic locales of Denmark by the talented Dev Anand, the film is sure to create an impact in the Indian film industry. Here are the snaps of some interesting scenes in the film.



**THE CALF-LOVE:** Thoroughly infatuated by the handsome Kim-played by Akshay Anand, Pinky- Aneeta Ayoob flirts with him much to the annoyance of her parents.



**THE OTHER PERSON IN THE TRIANGLE:** Seen here is Kim's girlfriend, played by the Swedish actress Maja Riis.



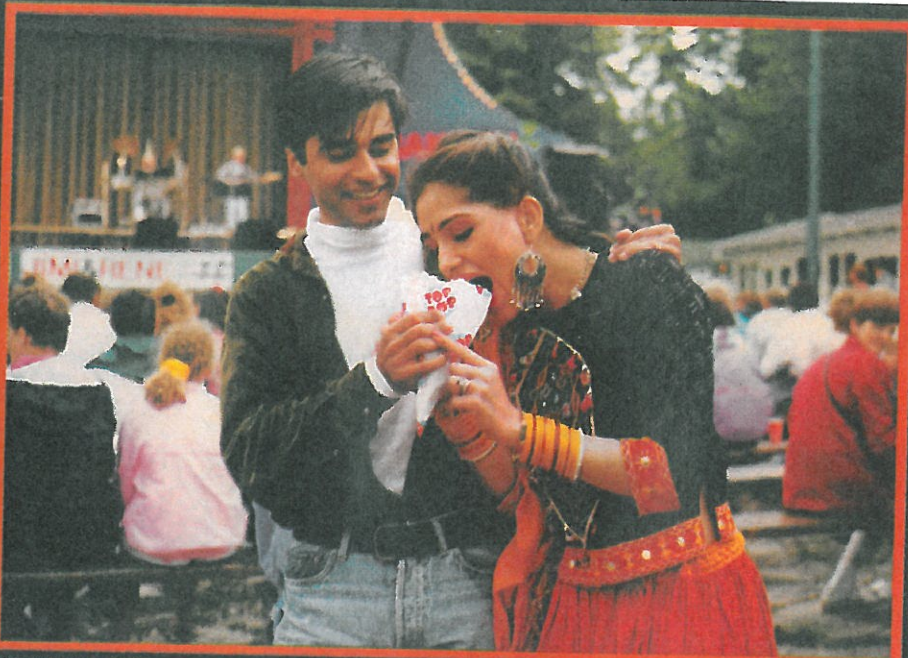
**THE DARE-DEVIL VILLAIN:** The villain in the film is Prem, enacted by Girija Shankar who is seen here kidnapping Pinky with the help of his friend. This being the climax of the film is exciting and thrilling.



**THE HEROIC SENTIMENT!:** The hero Gautam played by Manu Gargi is in a tough fight with the villain, played by Girija Shankar towards the end of the film.



The indefatigable Dev Anand's *Pyaar Ka Taraana* stars new finds Manu Gargi and Anita Ayoob. Extensively shot in Denmark, the film also stars Akshay Anand and Marja Reiss.



BOMBAY CITY SPECIAL

JANUARY 1992

Rs. 12

Flash  
FORWARD '92



# NEWS

director Dev Anand, who also produces the film jointly with M. Harwani of Copenhagen, is completing its editing. It is being readied for release in April/May. It co-stars Anita Ayub from Pakistan, Akshay Anand, Manu Gargi, Parikshat Sahni, Sushma Seth, Girija Shankar and Brij Gopal. Music is scored by Raamlaxman and lyrics are penned by M.G. Hashmat.

## **'Pyar Ka Tarana' Almost Complete**

**Pyar Ka Tarana**, the Indo-Danish Co-production of Navketan International Films and Sunico Productions, Copenhagen is now nearing completion. It was shot recently in Bombay and will be shot in its final stint after the heroine from Denmark, Maja Ris, arrives in Bombay. Meanwhile writer-



# MORGENAVISEN

# Jyllands-Posten

Tirsdag 3. marts 1992 · Uge 10 \*\*\*

DANMARKS STORE LANDSAVIS

Hverdage kl

## OTTE SIDER KUNST OG KULTUR



### Stjerne i indisk film

■ Maja Riis (til venstre), der går i 3.g., mødte i fjor den berømte indiske film-mand Dev Anand på en café i København. Han faldt pladask for hendes udseende, og gav hende en af hovedrollerne i hans kommende film.

Foto: JESPER DALL



### Costly Love Story

---Dev Anand is now making a love story, **Pyar Ka Taraana**, jointly with Mangharam Harwani of Denmark. Dev shot carnival scenes for the film in Copenhagen on 18th and 19th May. The next 2-month phase of the shooting will begin in Denmark from 30th June. Three newcomers – Manu Gargi (from Delhi), Anita Ayoob (from Pakistan) and Marja Riis (from Sweden) – are being introduced in the film. For a film with newcomers, this will be a very costly project with the budget for Denmark shooting alone crossing Rs. one crore. Akshay Anand also plays a hero in the film, besides Manu Gargi who is the son of the famous novelist, Balwant Gargi.

For a change, Dev Anand will not face the camera for **Pyar Ka Taraana** which is being made in Hindi and will be dubbed in English. For Denmark, it will be subtitled in Danish and will be released in two versions, one with songs and the other, without songs.



A forthcoming film

# "Pyar Ka Taraana" (Love Story)

"Pyar Ka Taraana" is a joint venture between Dev Anand's Navketan International Films in India and M. Harwani's Sunico Productions in Denmark. The film is being shot on location in Denmark with Screenplay and Direction by Dev Anand. The cast includes Manu Gargi, Aneeta Ayoob and Akhay Anand. Music is provided by Ram Laxman.

The rather gripping story gives a lot of scope for the film-makers. It will be interesting to see what finally comes through on screen.

The only child of naturalised parents in Copenhagen, Pinky is a young, carefree girl of Indian origin in complete harmony with her Danish surroundings. She becomes infatuated with Kim, a handsome young Dane who is a manager in the Carlsberg Beer Brewery. However, he isn't too enamoured with the institution of marriage, and has a girlfriend — Cristina, the baker's daughter. Pinky, on her part, hasn't been able to totally shed the inhibitions ingrained in her from childhood.

Pinky's life takes a dramatic turn with the arrival of her granny in Copenhagen. Her instant disapproval of her grand-daughter's "liberated" outlook makes the teenager rebel as a demonstration of her independence. Caught between the hell-fire of two extreme cultural traditions, her parents feel sandwiched.

Granny has a game plan to not only reform Pinky, but also to get her

married to Prem, a young Indian settled in Denmark. She had obtained the address through a newspaper matrimonial advertisement in India and corresponded with him.

Granny succeeds in prevailing upon Pinky's parents to invite Prem home, although they are disinclined to do so without first telling the daughter. The meeting ends in a fiasco. Pinky walks out in a huff and seeks a rendezvous with Kim in Tivoli.

Gautam arrives in Copenhagen in search of personal fortune, having lost all his possessions during a sea voyage. He had left Bombay after an altercation with his wealthy father who disapproved his alliance with a beautiful but poor girl called Usha, of low caste from the hutments.

With no money and a painful separation, Gautam had left Usha behind with the promise of an early reunion. Landing in Copenhagen penniless, he accepts shelter in Cristina's house having met her on the boat-trip.

A chance encounter with Pinky in Tivoli during musical revelries in the presence of Granny, Kim, Cristina and the girl's parents results in instant admiration. Granny and her parents see in him the great hope. For

Gautam was the first Indian boy who had made an impact on Pinky. They approach him for help but he declines the offer at first. Finally, he accepts the challenge after extracting a promise of liberation at the end of the assignment.

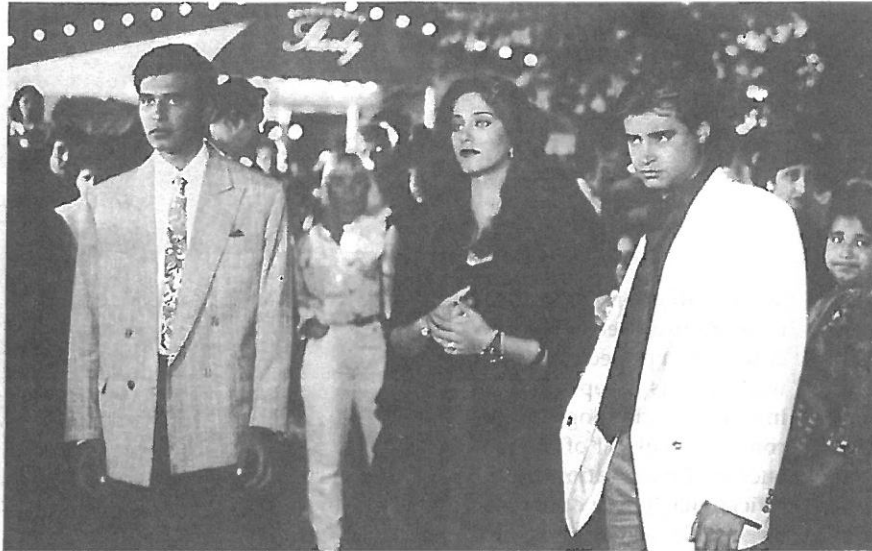
Cristina introduces Gautam to Kim who agrees to give him a job in his brewery. Gautam's rise is astounding. Everything he lays his hands on, turns to gold. Dame Fortune smiles on him. He truly has the Midas touch.

The plan to charm Pinky meets with resounding success to the great delight of Granny and Pinky's parents. Kim however is left nonplussed and somewhat puzzled. He gets desperate



Anita Ayoob plays Pinky, the female lead in "Pyar Ka Taraana".





*Manu Gargi as Gautam,  
Anita Ayoob as Pinky and  
Akhay Anand as Kim.*

as Pinky gets closer and closer to Gautam. She starts to behave and dress more like a young Indian woman. However she is still unsure of her feelings for the two men trying to woo her.

While Kim is unashamedly demonstrative, Gautam is more reserved and seems to hold back a little. One day when Gautam hears of Kim's intention of proposing to Pinky, he upstages Kim by declaring his love to Pinky. That changes the perspective. Pinky is jubilant, Kim is angry, jealous and crestfallen.

Somewhere in the thick of it all is Prem with his underworld activities with operational headquarters in Christiania. Drug trafficking is his main business though he ostensibly runs a restaurant there. He keeps meeting Granny and Pinky's parents and extols the virtues of Indian traditions and brags about the millions he is making. Granny continues to think of him as Pinky's prospective groom.

Prem is unaware that the Danish

police are closely watching his movements while investigating the case of an unidentified master criminal — a rapist and a killer. He has become over-confident in the natural protection that living in Christiania provides him. He knows that as long as the people of Christiania weren't aware of his real business, no harm could come to him.

Gautam has succeeded in his mission of enamouring Pinky. A great change has come over her. She is constantly day-dreaming and fantasizing. She is falling over Gautam who is pinning for Usha.

Pinky prepares her parents to make public her alliance with Gautam. Gautam is in a dilemma and finally makes up his mind to tell her he was only playing a game with her to take her away from Kim in order to restore her to her own cultural moorings. Pinky cannot take it. She is heartbroken.

In the meantime, Usha is overjoyed at receiving Gautam's love letters. She receives news of his impending re-

turn. She rushes out with the letter to tell her parents who are participating in a religious parade. There is indiscriminate firing as she mingles in the fanatic crowd. A bullet hits her and she falls down still clutching Gautam's letter.

Gautam's father arrives in Copenhagen and breaks the news of Usha's death to Gautam. Gautam is in tears but fate has relieved him of his commitment to Usha. The way is paved for the union of Gautam and Pinky.

Prem in the meanwhile makes an unsuccessful bid to kidnap Pinky. In a very thrilling chase, he is nabbed and killed after being exposed as the master criminal rapist and killer.

Cristina reunites with Kim and join Pinky and Gautam who sing and dance their way across Copenhagen.

There you have the story... But how gripping or entertaining it proves to be on screen, remains to be seen. With Dev Anand's expertise in the trade, we may well expect yet another box office hit.



*Anita Ayoob  
about to take a  
dip.*

*Swedish Maja  
Riis as Cristina*





### DEV ANAND'S PARTY

Dev Anand hosted a cocktail-dinner party on 27th February at Holiday Inn to introduce the artistes and M. Harwani, who has co-produced **Pyaar Ka Taraana** with him, to the press. The stars of the film, Anita Ayoob, Mink, Akshay Anand and Manu Gargi, were also introduced.

Dev Anand informed that he would start his **Gangster** as soon as the three heroes and three heroines for the film were finalised.



# सुषमा

Rs 9/-

## भारतीय फिल्म में काम करने के लिए पाकिस्तानी अभिनेत्री की 60 हजार रुपये की जमानत

निर्देशक देव आनंद और निर्माता एम.हरवानी की फिल्म 'प्यार का तराना' की शूटिंग पिछले दिनों डेनमार्क के कुछ शहरों में हुई. इस फिल्म में पाकिस्तान की प्रसिद्ध मॉडल अनिता अय्यूब ने भी काम किया है, जिससे बंबई के एक एक्टिंग स्कूल में अभिनय की ट्रेनिंग ली है.

निर्माता एम. हरवानी ने 'सुषमा' को बताया कि डेनमार्क के दूतावास ने अनिता अय्यूब को 15 हजार डेनिस क्रोनर (लगभग 60 हजार भारतीय रुपये) की जमानत ले कर विजा दिया. दूतावास को यह डर था कि यह खूबसूरत अभिनेत्री डेनमार्क पहुंच कर वहीं न बस जाए. प्रोड्यूसर हरवानी ने डेनमार्क के एक वकील द्वारा यह जमानत दाखिल की. वकील की फीस भी इस जमानत की राशी से कम न थी.







Maja Riis - blev opdaget ved et tilfælde af den indiske instruktør Dev Anand

Foto: JESPER DALL

## Dansk gymnasieelev stjerne i indisk film

Af ANNE LISE MØLVIG

■ Under et tilfældigt café-besøg med vennerne i København fik Maja Riis sit livs tilbud. En inder, Dev Anand, kom hen og gav hende sit telefonnummer og sagde, hun skulle besøge ham, for han ville gerne lave en film med hende!

»En af danskerne ved hans bord forklarede mig, at Dev Anand er en berømt indisk filminstruktør, der netop var på udkig efter en dansk pige til sin næste film«, husker Maja.

Alligevel er der vist ikke noget at sige til, at Majas forældre syntes, det lød noget underligt, og at Majas far tog med, da hun skulle møde den verdensberømte indiske filmproducent første gang.

Men den var god nok. Maja blev engageret, og filmen skulle optages et par måneder senere – i sommerferien mellem 2. og 3. g. Nu

er filmen næsten færdig, og Maja bliver student om et par måneder.

### Bollywood

Indien producerer langt flere film end USA, og de bliver vist overalt i verden. Ligesom USA har sit Hollywood, har Indien sit Bombay – af vittige hoveder også kaldet for *Bollywood*.

Dev Anand er 67 år og en utrolig berømt skuespiller i hele Asien – og dermed overalt på jordkloden, hvor der bor indere, pakistanere og vietnamesere m. v. I de senere år har han også instrueret og produceret adskillige film selv. Og når Dev Anand laver en film, så valfarter folk til biograferne, som vi gør, når Bille August præsenterer en ny film for os.

### Meget berømt

»Der går en pakistansk pige i min klasse, og hun har fortalt mig meget om ham. Da vi begyndte opta-

gelserne, fandt jeg hurtigt selv ud af, hvor berømt han faktisk er: Hver gang vi fulgtes ad på gaden i København, blev vi stoppet af folk – fortrinsvis turister og indvandrere, der ville hilse på Anand«, fortæller Maja og fortsætter:

»Han har forklaret mig, at når han havde besluttet sig til at lave denne film i vesten og med en dansk pige, skyldtes det, at han stort set har nået, hvad han kan i Indien, og nu ville han prøve noget andet«.

At det netop blev Danmark, skyldes nok M. Harwani, der også er inder og indehaver af et elektronikfirma i København. Harwani havde lyst til at gå ind i filmproduktion og pressede igennem lang tid Anand til at sige ja til et samarbejde.

■ Fortsættes på bagsiden



Tirsdag, 3. marts 1992

# Dansk gymnasieelev...

## ■ Fortsat fra forsiden

På indisk hedder filmen "Pyaar Ka Taarana", der betyder noget i retning af sangen om kærligheden. Den handler om fire unge mennesker – to drenge og to piger, der forlæsker sig i hinanden på indviklet vis. Der er masser af romantik, drømme, slåskampe og motorjagter i filmen – og en skurk fra Christiania, der kidnapper den indiske pige.

De fire unge, hvoraf Maja er den ene, udgør filmens hovedroller, selv om Maja beskedent siger, at hendes rolle er den mindste. De tre andre unge spiller indere, men pigen er fra Pakistan og de to unge mænd er henholdsvis inder/amerikaner og inder/irer.

I øvrigt har Henning Sprogøe en mindre rolle som politikommissær i filmen.

Der er masser af sange i Pyaar Ka Taarana, som der altid er i indiske film.

»Pludselig stopper handlingen, og skuespillerne bryder ud i sang – nærmest indisk popmusik«, siger Maja, der må nøjes med at mime til sine sange. De bliver nemlig sunget af miss Lata Mangeshkar, der er en 60-årig berømt indisk sangerinde,

som der virkelig er rift om. Hun er booket ind flere år frem, men lod sig dog overtale til at være med i Dev Anands film.

## Dansk sol drillede

Heldigvis siger Maja ikke så meget i filmen, men til gengæld er hendes replikker på hindi!

»Jeg var sammen med holdet uafbrudt i to måneder, og jeg lærte mine replikker ved at sige dem efter de andre«, forklarer Maja, der har så meget sprogpø, at den del af arbejdet ikke faldt hende svært.

Filmene blev optaget rundt om i København, blandt andet i Tivoli og Christiania. Desuden tilbragte filmholdet to dage med at sejle frem og tilbage med storebæltsfærgen.

»I filmen er jeg datter af en møller og arbejder på Carlsberg-bryggeriet, så vi lavede nogle optagelser på en mølle på Møn samt inde på Carlsberg«, fortæller Maja og fortsætter:

»Det er hårdt at lave film, der er meget ventetid, og man skal være klar hele tiden. Vi brugte især meget tid på at vente på, at vejret blev helt rigtigt – f. eks. skal solen være lige meget fremme på de scener, der skal klippes sammen. De indi-

ske fotografer var slet ikke vant til vores skiftende lys- og vejrforhold.

## Glycerin-tårer

Dev Anand er kendt for at bruge nye unge skuespillere, og han er kendt for at kunne få alle til at spille.

»Anand er entusiastisk og inspirerende. Han øvede ikke ret meget med os, fordi han gerne ville have det spontane frem.

Det allersværeste kom, da jeg skulle spille en scene, hvor jeg skulle være ked af det og græde, men så ændrede han hele stemningen! – og jeg lærte at græde med glycerin-tårer, og så var det ikke så svært.

Det var utroligt spændende at lære hele holdet at kende. Inderne tilhører en anden kultur, og de tænker anderledes. De er meget venlige og meget imødekommende. Jeg følte mig godt tilpas på holdet, og jeg har lært meget om deres kultur – det har gjort mig interesseret i at lære mere om den, derfor er jeg begyndt at låne bøger om indisk livsfilosofi og hindu på biblioteket.

## Romantisk og uskyldig

Indiske film er i reglen meget romantiske og uskyldige, og der er da også kun uskyldige kys i filmen – undtagen en enkelt scene med nøgne piger, men det er også hos skurken på Christiania!

Filmene bliver produceret i to udgaver: En der er tilpasset den europæiske kultur og en indisk udgave, der vil blive eksporteret til hele verden.

»Filmene virker meget fremmed for mig, men det gør den vist også for inderne. Det er derfor, Anand synes, den er spændende at lave«, mener Maja.

"Pyaar Ka Taarana" er næsten klippet færdig og skal have premiere både i Indien og i Danmark, men datoen er ikke fastsat endnu.

Dev Anands nyeste film vil helt sikkert blive efterspurgt over hele verden, så mens Maja Riis fra Vedbæk slider med bøgerne og det grønne eksamensbord, vil hun samtidigt underholde millioner af mennesker over hele verden i biografmørket – hun vil nå ud til langt flere mennesker end Ghita Nørby, Meryl Streep og Julia Roberts – til sammen.



Maja Riis: Det er hårdt at lave film

Foto: JESPER DALL





Photo: EATON / MOA

Dev Anand

### Dev's surprise

**D**EV ANAND hosted a party last week to introduce his co-producer from Denmark, M. Hirwani. They have made *Pyar ka Tarana* together. The film introduces Anita Ayub, Manu Gargi (son of novelist Balwant

and Swedish actress Marja). It has a pleasant musical score by Ram Laxman and according to Navketan insiders some sizzling scenes and surprise of surprises—Dev Anand is not acting in this film.

14 MARCH 1992



# VEST *Regionalavisen for København Vest* tegnen

18. årgang nr. 13  
Onsdag d. 25. marts 92

14

VESTegnen

Onsdag den 25. marts 1992

## Dansk pige stjerne i indisk film

Maja Riis, dansk gymnase-elev, vil blive set af millioner, når filmen "Pyaar Ka Taarana" får premiere i Indien.

Den unge pige fik rollen, fordi den indiske instruktør Dev Anand under et besøg i København tilfældigt så hende og blev så begejstret for hendes ansigt, at han bad hende om at prøvefilme.

Filmen, hvis titel betyder "Sangen om kærlighed", er nu indspillet af det indiske filmhold, som har været i Danmark i flere måneder. Maja Riis spiller sammen med tre andre unge - to indere og en pakistaner - de store roller, men der er også blevet plads til en række danske skuespillere.

TV 2-filmkommentator



Henning Sprogø - politimand i indisk film

Henning Sprogø har en rolle som politimand i filmen.

En stor del af filmen er optaget på Christiania og i Tivoli, men en del foregår på Møn.

-Der er masser af romantik, slagsmål og mange biljagter, fortæller Maja Riis, der også synger i filmen. Sangscenerne mimer hun dog kun. En populær 60-årig indisk sangerinde tager sig af stemmeføringen i den færdige film.

Dev Anand er en af Indiens mest kendte instruktører, og indiske film har et enormt publikum i hjemlandet og nabo-

landene, så den danske gymnasieelev vil blive set af flere biografgængere end selv stjerner som Meryl Streep.

I Europa og USA er interessen for indiske film dog ret begrænset.



APRIL 1992 ■ Rs. 12.00

# LINSELTOWN

THE DAZZLING WORLD OF FILMS



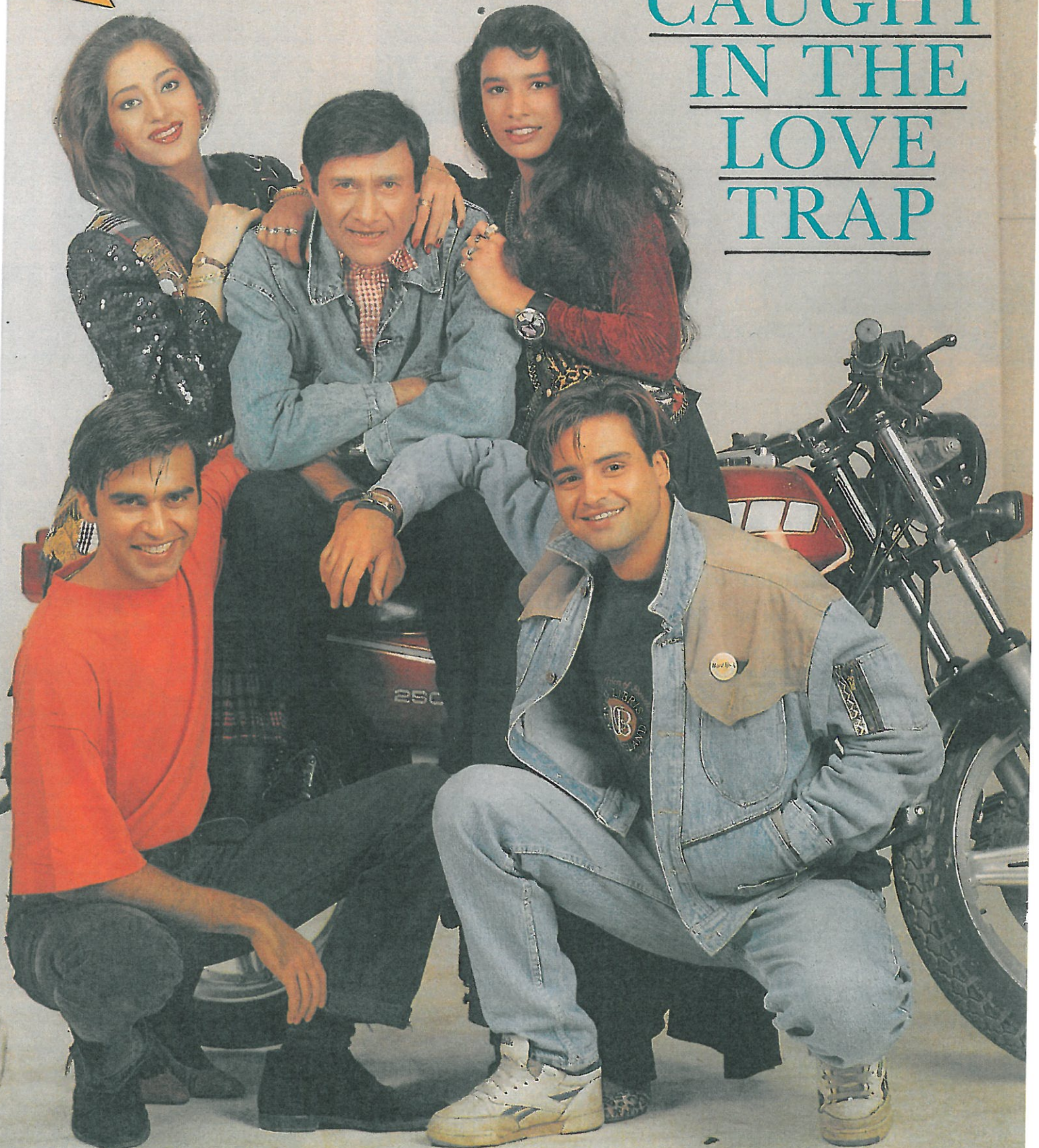
DEV ANAND:  
LOVE IN BLOOM ....  
IN DENMARK



# COVER STORY

DEV ANAND:

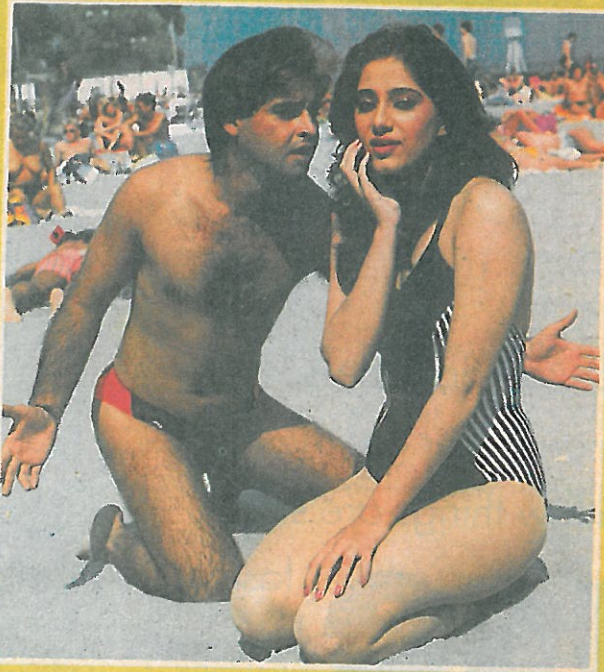
## CAUGHT IN THE LOVE TRAP



PHOTOGRAPH: JAGDISH MALI



How can I refuse darling ol' Dev anything? How can anyone? No wonder I agreed at once to drive all the way across town to see a very special preview of 'Pyar Ka Tarana'. Naturally, considering he'd booked the entire theatre *only* for me and my cats. After that I couldn't but help enjoy the show, now could I?



**Aneeta with Akshay Anand :  
The naked truth!**

\* \* \*

I was jolted out of my comfort soon enough though. Anyone would be, if they'd seen these *phirang* nude babes dancing around like some seducing snakes. And when I say nude, I mean nude. For Dev hasn't spared any angle of naked flesh at all. I wonder what the scissor-happy censor boys will do. If they live through the shock that is.

\* \* \*

Aneeta Ayoob had seen the film the previous day already. Still she was there (she knew I would be there of course) to see herself prance around on a nudist beach in Denmark (sorry to disappoint you guys, but she was comparatively 'covered'). And after the show when someone asked her what she thought of the film, she commented in a smart-alecky way. "The film is fantastic. But the best thing, easily, about it is this gorgeous new Pakistani discovery Aneeta Ayoob. She's too good!" Maybe you're right Aneeta, but will someone tell me why hero **Manu Gargi** (he'd dropped in for a while) was holding his stomach and rolling with laughter outside the theatre?

\* \* \*



SCREEN, APRIL 17, 1992, PAGE 13

### **'Pyar Ka Taraana'**

The post production work of Navketan International Films' and Sunico's Indo-Danish co-production 'Pyar Ka Taraana' is in progress. The film being co-produced by Dev Anand and M. Harwani is being written and directed by Dev Anand and stars Manu Gargi, Anita Ayoob, Akshay Anand, Mink, Marja Riis, Girja Shankar, Reema Lagoo, Rakesh Pandey, Sushma Seth, Brij Gopal and Parikshat Sahni. The film has music by Raam-Laxman.

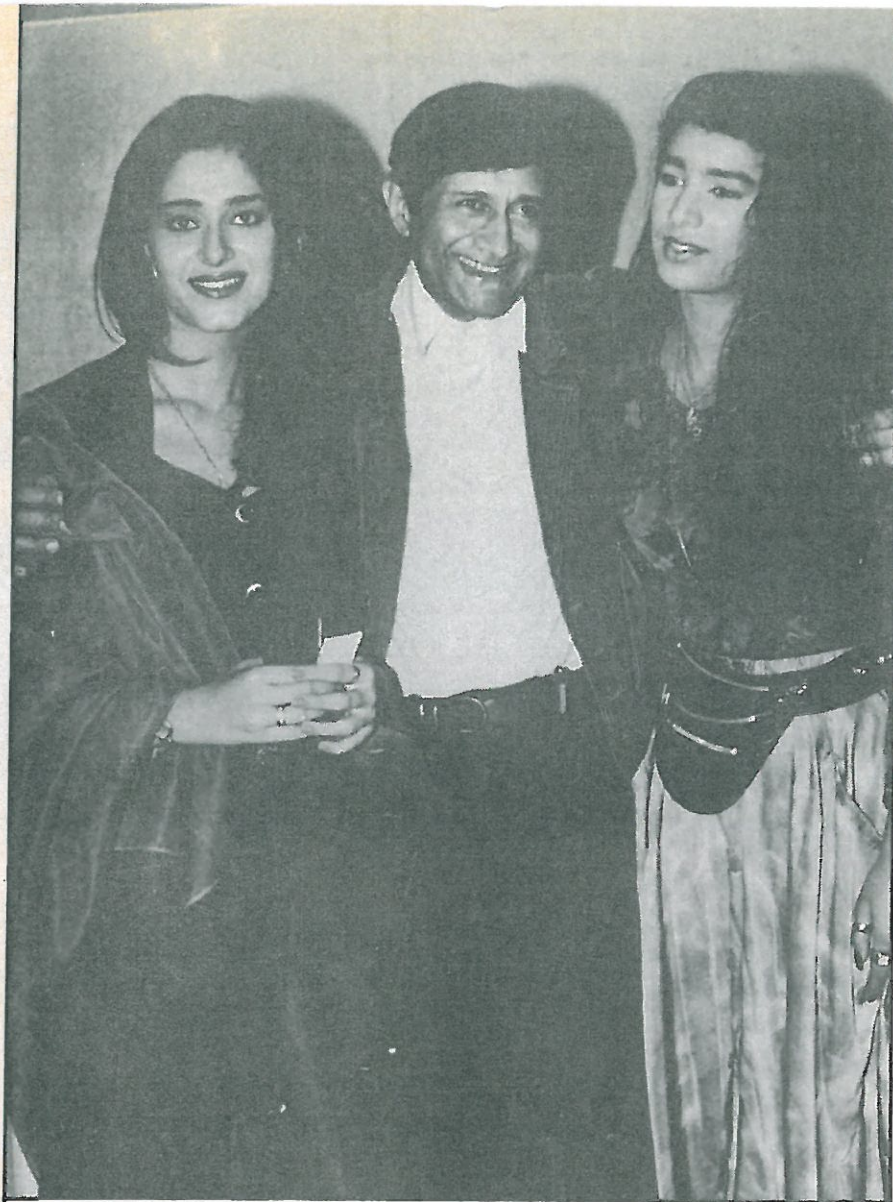


**'Pyar Ka Taraana'  
Negative Cutting**

Negative cutting of Navketan International Films' **Pyar Ka Taraana** (Cinemascope) began on April 20. The first copy is expected in first week of May. Produced by Dev Anand and M. Harwani and written and directed by Dev Anand, it stars Akshay Anand, Anita Ayoob, Manu Gargi, Mink, Marja Ris, Girija Shanker, Reema Lagoo, Rakesh Pandey, Sushma Seth, Brij Gopal and Parikshat Sahni. Music is

scored by Raamlaxman. The film is due for release by June end.





**“going global”.** The man’s on a mission, not just to sell his own movie but to get out the message. **“Be creative! Don’t just think about money!”** No wonder once again one of the most independent filmmakers plunked down a substantial investment in *Pyar Ka Taraana*, a film extensively shot on the exotic locales of Denmark, drawing on his own bank account or independent sources like co-producer Harwani to finance the film. But he has spent 97% of that money in foreign exchange, **“And its so**

**expensive. As it is, everything in Denmark is so expensive. That’s why I want big money from this film. I should at least get my money back”**, says he candidly.

With *Pyar Ka Taraana* Dev Anand again faces a new challenge. **“With every new film one faces the test of one’s ability and every film has to be judged on its own merits. Its not as if you’ve passed an examination once and it qualifies you to come out with flying colours in every subsequent test. Anyway *Pyar Ka Taraana* embodies all the ingredients of a film that should**

be a success. It has universal appeal — freshness, youth, universal emotions, good story, good music and exotic locales. **Copenhagen** comes alive in this film and that is going to be loved not only by the people in India and Denmark but will also be liked in Norway, Sweden and may be Europe too”.

Does he plan to go international with this venture? He beams, **“It definitely opens up new horizons for me. I’d acquire new vision if my film is liked out there. That gives me a chance to live longer in terms of creativity. If I get a wider market outside why should I just sit here and make films?”**

So he is not worried about how audiences will react to **Pyar Ka Taraana**? Dev Anand is quite confident that **“it will not only be a success it’ll be the film of 1992. That’s my feeling”**. He dispenses quotes with an apparent candor and sincerity that any actor would envy — after all, he is a grand pooh-bah of cinema, the provocative director of many cinematic master works. He slowly reveals, **“Pyar Ka Taraana** is something that everyone can relate to. I wanted to go straight for the love story. The kind of love shown in this film is something that’s incredibly present and universal today. Then the music in a love story has to appeal to





# PRODUCTION ROUND-UP

## Negative Cutting

### 'Pyar Ka Taraana'

Actor-producer-director Dev Anand began the negative cutting of Navketan International Films' and Sunico Indo-Danish co-production 'Pyar Ka Taraana' on April 20. The first copy of the film is expected to be out by May 1 and the film is being readied for June end release. The film being co-produced by Dev Anand and M. Harwani is written and directed by Dev Anand and stars Akshay Anand, Anita Ayoob, Manu Gargi, Mink, Marja Riis, Girija Shankar, Reema Lagoo, Rakesh Pandey, Sushma Seth, Brij Gopal and Parikshat Sahni. The film has music by Raam-Laxman.



\$

RB5077 4 I 0314 ORD/z2

**071547: FILM/INDISK**

Ny international indisk film optages i Danmark:  
København, torsdag. RB

Danmark er ved at blive et yndet land for international indisk filmproduktion

Filmen »Pyaar ka taraana«, hvor den danskboende, 17-årige svensker Maja Riis spiller en af hovedrollerne, ligger for øjeblikket på klippebordet. Filmselskabet Sunico Productions, der sammen med det indiske filmselskab Navkedan står bag filmen, regner med, at den kommer op i de danske biografteater i løbet af to måneder. Filmen bliver en kærlighedshistorie mellem en indier og en dansk pige.

Men Sunico Productions danske afdeling er allerede i gang med at planlægge deres næste film. Den vil ligesom »Pyaar ka taraana«, blive optaget i Danmark med både danske og indiske skuespillere og filmfolk.

- Selv om vi har været meget glade for Maja Riis, vil det ikke blive hende, der får en af hovedrollerne i den nye film, da hun ønsker at færdiggøre sine studier, fortæller filmproducer Mangharam Harwani fra Sunico Productions.

»Eye two« som den nye film kommer til at hedde, bliver en film om international narkotikasmugling med København som det sted, hvor narkotikaen fordeles til resten af den vestlige verden.

Som medproducenter har Sunico Productions allieret sig med det indiske produktionsselskab Sagar Video International, der med tv-film som »Ramayan« og »Krishna«, der omhandler den indiske mytologi, har lagt Indien øde søndag formiddag.

- Hele Indien stoppede bogstaveligt talt op, mens de 48 afsnit af »Ramayan« blev vist i tv. Politiske møder og religiøse ceremonier blev aflyst fordi ingen mødte op, og omkring 600 millioner indere fulgte serien, fortæller filmproducenten Prem Sagar, der for øjeblikket er i København for at snakke om det kommende samarbejde med Sunico Productions.

Prem Sagar regner med, at det kommer til at koste omkring 25 millioner kroner at producere filmen »Eye two«, som både vil blive lavet i en Engelsk og en Indisk version.

071548 MET MAY 92



## FILM

## Ny international indisk film optages i Danmark

Danmark er ved at blive et yndet land for international indisk filmproduktion.

Filmen *Pyar ka taraana*, hvor den 17-årige svensker Maja Riis spiller en af hovedrollerne, ligger for øjeblikket på klippebordet. Filmselskabet Sunico Productions, der sammen med det indiske filmselskab Navkedan står bag filmen, regner med, at den kommer op i de danske biografer i løbet af to måneder. Filmen er en kærlighedshistorie mellem en inder og en dansk pige.

Men Sunico Productions danske afdeling er allerede i gang med at planlægge sin næste film. Den vil ligesom *Pyar ka taraana*, blive optaget i Danmark med både danske og indiske skuespillere og filmfolk.

*Eye two* som den nye film kommer til at hedde, bliver en film om international narkotikasmugling med København som det sted, hvor narkotikaen fordeles til resten af den vestlige verden.

Det anslås, at det kommer til at koste omkring 25 millioner kroner at producere filmen *Eye two*, som både vil blive lavet i en engelsk og en indisk version. (RB)



Tirsdag 12. maj 1992

## Indisk film optages i Danmark

Danmark er ved at blive et yndet land for international indisk filmproduktion.

Filmen »Pyar ka taraana«, hvor den danskboende, 17-årige svensker Maja Riis spiller en af hovedrollerne, ligger for øjeblikket på klippebordet. Filmselskabet Sunico Productions, der sammen med det indiske filmselskab Navkedan står bag filmen,

regner med, at den kommer op i de danske biografer i løbet af to måneder. Filmen bliver en kærlighedshistorie mellem en inder og en dansk pige.

Men Sunico Productions danske afdeling er allerede i gang med at planlægge deres næste film. Den vil ligesom »Pyar ka taraana«, blive optaget i Danmark med både dan-

ske og indiske skuespillere og filmfolk.

»Eye two« som den nye film kommer til at hedde, bliver en film om international narkotikasmugling med København som det sted, hvor narkotikaen fordeles til resten af den vestlige verden. Filmen vil blive lavet både i en engelsk og indisk version.

(RB)





The audio cassettes of Navketan International Films' and Sunico Indo-Danish Co-productions **Pyar Ka Tarana** were released on Monday at a function held at Anand Dubbing Theatre. Seen on the occasion are, from left, co-producer M. Harwani, Girja Shankar, Ramesh Taurani of Tips Cassettes, Akshay Anand, Anita Ayob, co-producer, writer and director Dev Anand, Mink, Manu Gargi, music director Raamlaxman and lyricist M.G. Hashmat. Seen below are Anita Ayob, Ramesh Taurani, Dev Anand and guest Sudhakar Bokade.







ઈન્ડો. ડેનમાર્ક કો. પ્રોડક્શન  
“પ્યાર કા તરના”

દેવ આનંદની એક ફિલ્મ ‘પ્યાર કા તરના’ રીલીઝ થવાની તૈયારીમાં છે. આ ફિલ્મ. ઈન્ડો. ડેનમાર્ક કો. પ્રોડક્શન છે. ભારતની પ્રથમ હિન્દી ફિલ્મ ડેનમાર્કમાં તૈયાર કરવામાં આવી છે. જેમાં ત્યાંની ધરતી ઉપર શુટિંગ કરવામાં આવ્યું છે અને ત્યાંના સ્થાનિક ક્લાકરો કામ કરે છે.

મી. હરવાની મુળ ભારતીય અને હાલ ડેનમાર્કમાં સ્થાયી થયેલ આ ફિલ્મનાં સહ નિર્માતા છે. અજમેરમાં જન્મેલા મી. હરવાની ઈલેક્ટ્રીકલ એન્જનીયર છે. ડેનમાર્કમાં સ્થાયી થયા પહેલાં મી. હરવાની એક ઓઈલ કંપનમાં કામ કર્યું. ૧૯૭૧માં ડેનમાર્ક જઈ પોતાની સ્વતંત્ર કારકીર્દી શરૂ કરી, એ પહેલા ભારતીય છે કે જાને ત્યાં પહેલી વાર ઈમ્પોર્ટ એક્સપોર્ટ નો ધંધો શરૂ કર્યો ડેનમાર્કના સૌથી મોઢી અને મહત્વની જગ્યાએ ઓફીસ ખોલી.

મી. હરવાની ફીલ્મનાં પત્રકાર તરીકે ભારતમાં અને ડેનમાર્કના પેપરોમાં આર્ટીકલો પણ લખે છે જેનાં કારણે પત્રકાર જગતમાં તે સારી નામના અને યશ પામ્યા છે.

ડેનમાર્કમાં રહેતાં અશિયનોની એને એક ડાયરી બહાર પાડી છે.

દેવઆનંદના સંપર્કમાં આવ્યા પછી એક ફિલ્મ ‘પ્યાર કા તરના’ તૈયાર કરી જેમાં ભારતીય સંસ્કૃતિ - કલા - પરંપારને ડેનમાર્કના દર્શકોને જોવાનો લાભ મળશે.

“અમારા દેશમાં લગ્ન સંસ્થા જેવું કંઈ જ છે જ નહીં. કુવારી છોકરી માતા બને તો કંઈ નવાઈ નથી. લોકો ચર્ચમાં ફક્ત બે જ વખત જાય છે. એક બર્થ સર્ટીફિકેટ માટે અને એક ડેટ સર્ટીફિકેટ માટે. મારી ‘પ્યાર કા તરના’ ત્યાંના સ્થાનિક દર્શકને ભારતની પ્રાચીન પરંપરાનો ખ્યાલ આપશે.”

“દેવ આનંદ સાથે ફિલ્મ બનાવવાનું શું કારણ ?”

મે સવાલ કર્યો.

“દેવ આનંદ એક સારા સર્જક છે. હું તેનો કેન છું. મને ખબર છે કે તેની ફિલ્મોનો પાછલો રેકોર્ડ સારો નથી પણ મારા ઉપર તેની કોઈ જ ખરાબ અસર નથી થઈ. અત્યારે તો મારી અને દેવ આનંદની ફિલ્મ તૈયાર થઈ ગઈ છે અને જાને પણ ફિલ્મ જોઈ છે તેનો મત ‘પ્યાર કા તરના’ માટે સારો છે.” મી. હરવાનીએ કહ્યું.

આગળ ઉપર કહે “એક ભારતીય પરદેશના કોઈ પણ ખૂણામાં જાય પણ તેનાંમાં ભારતીય પાણી તો કામ રહેવાનું છે. ભલે હું ત્યાંનો નાગરીક છું પણ હજી પણ મને ભારત તેમજ તેની ફિલ્મ કલા સાથે એટલો જ પ્રેમ છે. જે પહેલાં હતો.”

# મનોરંજનની મહુર્રિષ

• રજની આચાર્ય

# સુંબઈ સમાચાર

સ્થાપના : ૧લી જુલાઈ ૧૯૨૨

THE BOMBAY SAMACHAR

શુક્રવાર, તા. ૨૨મી મે ૧૯૯૨ Friday 22nd May 1992

શુક્રવાર, તા. ૨૨-૫-૧૯૯૨

૧૩



PAGE 2 SCREEN, MAY 22, 1992

## Production Highlights

### **'Pyar Ka Taraana'**

The dubbing of Navketan International Films' and Sunico Indo-Danish co-production 'Pyar Ka Taraana' is in progress. The film is being co-produced by Dev Anand and M. Harwani. Written and directed by Dev Anand, the film stars Anita Ayoob, Manu Gargi, Mink, Maja Riis, Akshay Anand, Parikshat Sahni, Reema, Rakesh Pandey, Sushma Seth, Brij Gopal and Girja Shankar.



## Men and Matters

### ***Pyar Ka Tarana now on 4 track***

*Raam-Laxman, the music director of Dev Anand's Indo-Danish Co-production's Pyar Ka Tarana, who was very impressed by the song picturisation couldn't resist from requesting Dev Anand to convert the film into a four-track one. Dev Anand immediately agreed to his suggestion by instructing his Anand studio's chief recordist, Kuldeep Sood to start the recording in four-track. These developments happened at a preview party when the songs were screened for the guests.*



## Good response to *Pyar Ka Tarana* songs preview

The preview of five songs of the Indo-Danish Co-production *Pyar Ka Tarana*, produced and directed by Dev Anand in collaboration with Mangharam Harwani of Sunico Production Copenhagen, on Monday at the Anand Recording Studio, drew a good response from the press, and other filmland invitees.



*Mr. M. Harwani*

In his typical youthful energy and enthusiasm, Dev Anand introduced the entire unit of *Pyar Ka Tarana* including Akshay Anand, and new stars, Manu Gargi, Anita Ayub and Mink.

The function also marked the music cassette release of the film by Tips.

The audience highly appreciated the musical score of Raamlaxman and the imaginative picturisation of songs in the picturesque location of Denmark.

The screen presence and talents of Anita Ayub and Manu Gargi were highly appreciated, and some

producers present on the occasion, were planning to cast them in their next film. However, Anita Ayub said she had not yet made up her mind.

The dinner party hosted on the occasion by Dev Anand, and his co-producer Mangharam Harwani, were not merely attended by the young stars, but also by Sudhakar Bokade, and Rajiv Kumar.

The title song sung by Lata Mangeshkar, the light romantic song *Tumse jo kahoonga* by Lata and Udit Narayan, and the vibrant love letter songs, are very well picturised.



# Taza Khabar



At the music release function of Navketan International Films & Sunico Productions' PYAAR KA TARAANA at Anand Recording (L. to R.) M. Harwani of Sunico Productions, actor Girija Shanker, Ramesh Taurani of Tips Cassettes & Records Co., hero Akshay Anand, heroine Anita Ayub, Dev Anand, heroine Mink, hero Manu Gargi, music director Raam Laxman and lyricist M.G. Hashmat.



## News Flash

### ***Pyar Ka Tarana* sold fast at first trial**

After seeing Dev Anand's Indo-Danish Production, *Pyar Ka Tarana's* very first preview, the distributors were so impressed by Dev Anand's work as producer and director, that they have acquired the rights for the Rajasthan circuit and overseas as well.

Producer and distributor Sudhakar Bokade, also liked the film and has expressed his wish to distribute the film for the Bombay circuit.



## AUDIO, VIDEO, TV

### Music that appeals



The audio cassettes of Navketan International Films' and Sunico's Indo-Danish co-production 'Pyaar Ka Tarana' were released last week in Bombay. The above photograph taken on the occasion shows, from left, co-producer M. Harwani, Girja Shankar, Ramesh Taurani of Tips Cassettes, Akshay Anand, Aneeta Ayob, co-producer, writer and director Dev Anand, Mink, Manu Gargi, music director Raamlaxman and lyricist M.G. Hashmat. Seen alongside are Aneeta Ayob, Ramesh Taurani, Dev Anand and guest Sudhakar Bokade. - Photos by Peter Martis.





## पाकिस्तानी हसीना का सपना भारत में पूरा होगा?

फ़ीरोज़ अशरफ़

**‘क्या** अनीता अय्यूब की किस्मत का सितारा फिर चमकेगा?’ इन दिनों पाकिस्तान की मशहूर मॉडल अनीता अय्यूब के बारे में यह सवाल कराची से लाहौर तक गूँज रहा है। चार-पांच वर्ष पहले अनीता ने मॉडलिंग की दुनिया में इतनी शोहरत प्राप्त की, कि उन्होंने शो बिजनेस की चोटी की अदाकाराओं को भी पीछे छोड़ दिया। सन् १९८८ में वह मनीला और हांगकांग में होनेवाले ‘मिस एशिया पेसिफिक’ मुकाबले में हुस्न का पहला इनाम जीतने से रह गई। दुबई की एक एजेंसी ने मुकाबले के लिए उन्हें मनीला लाने का फैसला किया था।

उन्हीं दिनों कराची के एक क्लब द्वारा आयोजित मुकाबला-हुस्न में मिड समर क्वीन का खिताब जीत कर उनका आत्म विश्वास और जाग उठा। सौ से भी अधिक उम्मीदवार लड़कियों में अनीता को पहला इनाम मिला। मुकाबला जीतने पर उन्हें डेढ़ उपहार और लंदन का रिटर्न हवाई टिकट भी मिला। सारे पाकिस्तानी अखबारों में उनकी तस्वीर छपी। वह मुकाबला फरवरी में हुआ था। मनीला और हांगकांग के मुकाबले अक्टूबर में हुए थे। जाने से पहले उन्होंने मुकाबलाएं हुस्न की बात छुपाए रखी।

४ अक्टूबर १९८८ को मनीला एयरपोर्ट पर प्रेस फोटोग्राफरों ने उन्हें घेर लिया। कई मुस्लिम देशों की लड़कियां भी मुकाबले में हिस्सा लेने आई थीं। ५



**पाकिस्तान की**  
मशहूर मॉडल अनीता अय्यूब जल्द ही एक भारतीय फिल्म में नजर आएंगी। ऐसी-वैसी नहीं, देवआनंद द्वारा निर्देशित फिल्म में! और पाकिस्तान में चर्चाओं का बाजार गर्म है कि वहां विवादों में घिरी रहने वाली इस सुंदरी की किस्मत क्या भारत में चमकने वाली है?



अक्टूबर को मनीला के अखबार अनीता की तस्वीरों से भरे थे। उसके बाद वहां बसे पाकिस्तानियों के गिरोह एक एक करके उन्हें मुबारक बाद देने आते गए। फिर अचानक शाम के वक्त उनके होटल के सामने कुछ पाकिस्तानी लड़के नारेबाजी करने लगे। उन्होंने होटल के मैनेजर और मुकाबला कराने वालों को धमकाना शुरू किया कि अनीता अय्यूब को हुस्न के उस मुकाबले में हिस्सा नहीं लेने दिया जाए। कुछ लड़के उनके कमरों में भी घुस आए और उन्हें डांटना-डपटना शुरू कर दिया। उन लोगों का कहना था कि एक पाकिस्तानी मुस्लिम लड़की किसी तरह इस प्रकार के नुमाइश में हिस्सा नहीं ले सकती है। इससे मुल्क की बदनामी होगी।

दूसरी सुबह मनीला स्थित पाकिस्तानी दूतावास ने अनीता को बुलाकर मुकाबले में हिस्सा लेने से मना किया। दूतावास के अधिकारियों ने

बताया कि स्थानीय पाकिस्तानियों के अलावा पाकिस्तान में भी अनीता के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जा रही है। होटल वापसी पर फिर धमकी भरे फोन का सिलसिला शुरू हो गया। फोन पर कहा जाने लगा कि बाहर निकलने पर उनके चेहरे पर तेजाब फेंक दिया जाएगा।

उन सारे हंगामों और धमकियों के बाद अनीता में उतनी हिम्मत नहीं थी कि वह मुकाबला ए - हुस्न में शरीक होती।

७ अक्टूबर की सुबह अनीता ने पाकिस्तानी राजदूत को लिखित रूप में दिया कि वह मुकाबले में शरीक नहीं हो रही। उसी के साथ वह मिस एशिया चुनी जाने के बाद लगभग दो करोड़ डालर, डेढ़ कीमती उपहार, कारें, हॉर और सारी दुनिया की सैर से वंचित हो गईं। मुकाबले में शिरकत से इनकार के बाद मनीला के उस होटल से पाकिस्तान का राष्ट्रीय झंडा भी उतार

लिया गया।

उसी बीच उन्होंने पाकिस्तान के अतिरिक्त लंदन और अमरीका में भी मॉडलिंग की। ग्रेजुएशन किया। दो चार टी. वी. सीरियल में आईं। उनके अनुसार उन्हें एक भारतीय फिल्म निर्माता ने पाकिस्तान के जाने माने फिल्म वितरक सतीश आनंद के द्वारा एक फिल्म में काम करने का ऑफर भी दिया।

दो-तीन वर्षों बाद, याने पिछले वर्ष अनीता अय्यूब के सपनों को एक बार फिर साकार होने का मौका मिला। इस बार उनके सपनों के सौदागर बने, हमारे सदा बहार हीरो, देवानंद। डेनमार्क में बसे एक पाकिस्तानी की फिल्म ‘प्यार का तराना’ में अनीता को बतौर हीरोइन लिया गया। देवानंद फिल्म के हीरो नहीं, निर्देशक हैं। एक खबर के अनुसार फिल्म ‘प्यार का तराना’ के लिए अनीता को अदाकारी की भरपूर ट्रेनिंग दी गई। करोड़ों रुपए की लागत से बनने वाली यह फिल्म अगले महीने एक साथ भारत और डेनमार्क में रिलीज होगी। अनीता को इस फिल्म से डेढ़ उम्मीदें हैं।

पाकिस्तानी फिल्म निर्माताओं ने भी अनीता के कराची स्थित बंगले पर कतार लगाया शुरू कर दिया है। एक बार फिर अनीता अय्यूब को जिस प्रकार पाकिस्तानी मीडिया में उछाला जा रहा है उसे देखकर जरूर लगता है कि उसकी किस्मत का सितारा फिर चमकेगा।



# SCREEN

VOL. XLI No. 39

BOMBAY: FRIDAY, JUNE 5, 1992

PRICE Rs. 4 PAGES 24 + IV

## Pakistani showbiz girls' craze to work in Indian films



**Zeba Bakhtiar.**

From A.R. SLOTE

KARACHI.

**F**OLLOWING the extraordinary fame received by Zeba Bakhtiar in India, Pakistan and abroad after the release of her first Indian film 'Henna', a number of Pakistani showbiz girls have started visiting Bombay. A couple of them, including Anita Ayoob, Sonia, Somy Ali, Mumtaz Kanwal



**Anita Ayoob.**

have succeeded in signing one or two films. However, Zeba Bakhtiar and Salma Agha, both holders of dual nationality - Pakistani and British, have proved very successful.

Zeba could not get any formal training in acting, because there isn't any acting school in Pakistan. But because of her beauty and grace she did act in a couple of PTV plays. Her father is a



**Somy Ali.**

Pathan and mother is a British. She is the youngest child in the family of four (two brothers and two sisters). Her family is a conservative one but broadminded. That's why they didn't mind her becoming a film star.

Zeba is of the opinion that she knows her limitations. Her parents taught her the basic principles of life. Her family home is in Quetta, but they always travel



**Salma Agha.**

around, as one of her brother lives abroad and her father (Yayaha Bakhtiar) is a leading political figure in Pakistan. Her interest lies in art - drawing, painting, poetry, literature, anything to do with creativity and self expression.

She completed her B.A. in English literature and Philosophy. She played her first role in a PTV play in 1988. Then she did a tele-serial in English for ITV, Lon-



**Babra Sharif.**

don, where Randhir Kapoor phoned her to offer her the role of Henna in 'Henna' and that's how she was introduced in Indian films.

Recently, she denied having signed any Pakistani film, saying that she has a few films in Bombay. To work in a Pakistani film, she has put forward two condi-

(Continued on Page 2)



# Pakistani showbiz girls' craze to work in Indian films

(Continued from Page 1)

## ANITA AYOOB

Anita Ayoob, a popular model and TV artiste has recently completed her first Indian motion picture 'Pyar Ka Tarana' directed by veteran Dev Anand. A love-tale shot in Denmark, it is expected to be released soon.

She made headlines here last year when, as a beauty queen, she was banned from taking part in the Miss Asia Pacific beauty pageant held in Manila, where she wasn't allowed to parade in a skimpy bikini, she was supposed to wear in the contest.

Anita is the same arrogant and outspoken model who caused an outrage in Pakistan with a seemingly innocuous statement. Apparently in a loud-mouthed mood she had stated, "I will marry four times, if my husband wants to marry four times. If the men can do it, why not we women." It was enough to create a furore with all the conservative Muslims demanding that Anita retract her statement as it encouraged immorality and loose behaviour. She was a bad example to the women of Pakistan, they said. Some even went so far as to call her 'an agent of Devil (Shaitan)' and demanded an apology which she had to give or risk being banned forever in Pakistan.

According to an Indian film monthly, Anita went one step further and jumped the border to wear a swimsuit for Dev Anand's 'Pyar Ka Tarana.' Even going to the extent of frolicking on a nudist beach in Denmark for a song in the film.

DARBA SHARIF





THE PRIME MINISTER

Copenhagen, September 21, 1992

Mr. M.M. Harwani  
Sunico Productions  
Studsgårdsgade 7  
2100 København Ø

Dear Mr. M.M. Harwani,

Thank you very much for your kind letter on the occasion of the 10th anniversary.

I wish you all the best with your film production in Denmark.

With kind regards to you and your wife,

Sincerely yours,

Prime Minister of Denmark



## DENMARK

Sanam Bewafa fame Producer, Writer and Director Sawan Kumar was in Copenhagen on the invitation of Mr. M. Harwani. They travelled together to New York to attend the dinner of Nargis Dutt

Foundation.

Mr. Sawan Kumar and Mr. M. Harwani are currently working together on a joint project to make a feature film which will be shot entirely in Copenhagen. This will

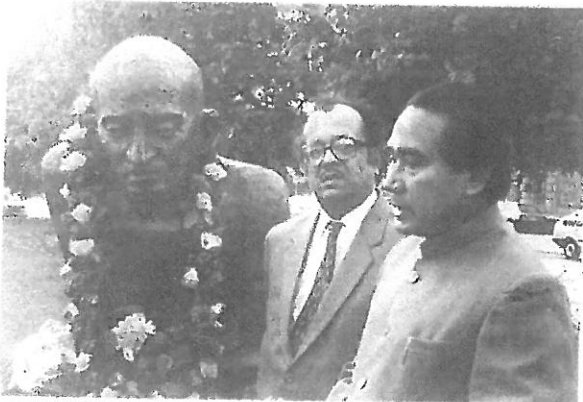
be Mr. Harwani and Sunico Productions' second venture after the successful completion of Pyar Ka Taraana directed by Dev Anand.



**FAMED PERSONALITY:** Sawan Kumar in Copenhagen with his hospitable hosts Mr. M. Harwani and Mrs. Beena Harwani.



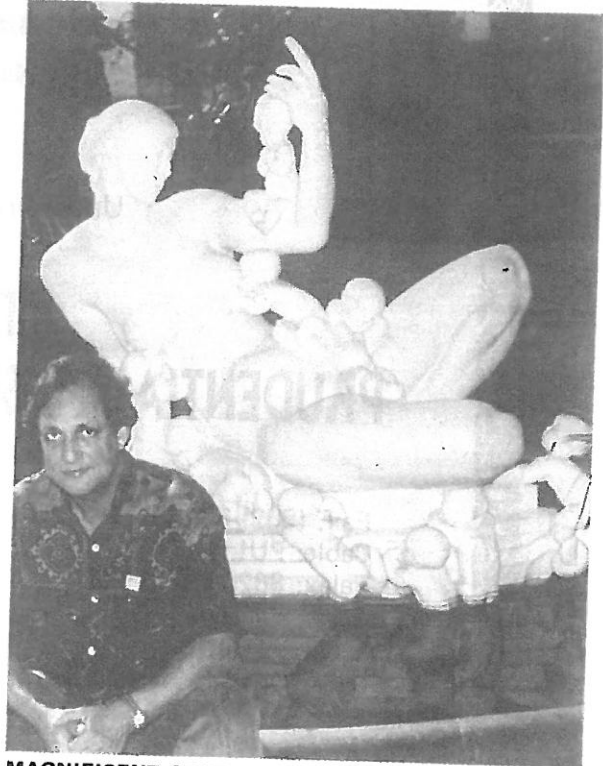
**GREAT OPPORTUNITY:** Enjoying the company of Sawan Kumar are (L to R): Pinky, Beena Harwani, Sunil Harwani and Kavita Harwani.



**GANDHI JAYANTI CELEBRATION:** A handful of Indians gathered at the Gandhi Park in Copenhagen to pay homage to Gandhi. The Ambassador to India Mr. K.M. Lal read a few lines from the book written by Gandhi. Speaker from the Assam State Assembly, Mr. Jibe Kant Gogoi was also present on the occasion.



**TWO TALENTED PRODUCERS:** Sawan Kumar with Producer Mr. Harwani, Sunico Productions, Denmark.



**MAGNIFICENT STATUE:** Sawan Kumar posing in front of a statue in Copenhagen.



# MAJA STJERNE I INDISK FILM

**B.T.** Danske Maja Riis, der blev opdaget på en café, får nu sin debut på det hvide lærred i den første dansk-indiske film, »Kærlighedens melodi«, der snart får dansk premiere.

Dev Anand har instrueret filmen, der karakteriseres som et gribende kærlighedsdrama.

Filmen, der næsten udelukkende er optaget i Danmark, handler om Gautam (Manu Gargi), en indisk rigmandssøn, der kommer til Danmark for at finde sig selv.

Han har efterladt sin kæreste, den fattige slumpige Chanda, i Indien. I Danmark bliver Gautam opsøgt af en ung pige, Pinkys, forældre. De vil have ham til at få Kim (Akshay Anand), en ung dansker, ud af deres datters liv. Kim har også et forhold til Christine, spillet af danske Maja Riis.

Intriger kører på kryds og tværs i filmen, før kærlighedens indviklede puslespil går op.

Også Henning Sprogøe medvirker i filmen, hvor Lasse Spang Olsen har stået bag kameraet.

*Mic*

**Danske Maja Riis, opdaget på en café i København, får**







AMBASSADOR

भारतीय राजदूतावास

EMBASSY OF INDIA  
DEN INDISKE AMBASSADE  
VANGHUSVEJ 15, DK 2100 COPENHAGEN Ø  
TEL (01) 18 28 88 . TELEX 16 9 64

7th June 1993.

It is well-known that Denmark and India enjoy the best of relations between themselves. This is so not only now but has always been the case. It is only natural that two countries that are so alike in their basic attitudes and beliefs — such as a firm and unwavering commitment to multi-party democracy, an independent judiciary, a free press and a pluralistic society whose affairs are conducted in an open and transparent manner — would be warm and friendly towards each other. These cordial feelings exist not only at the Governmental level but also at the level of the people, as I have found to my great satisfaction during my year-long stay in Denmark.

There have been continuing contacts at the people-to-people level as well. A large number of Danes like to go to India for their vacation. Indians also keep regularly visiting Denmark. Against the background briefly sketched above, it gives me great pleasure to know that Mr. M. Harwani, A Danish national of Indian origin, and Mr. Dev Anand, a major producer of films in India, have joined hands to produce the first-ever feature film that may be described as an Indo-Danish joint venture. This film tells the story of an Indian family's interesting encounter with Danish society and culture. I hope that the exhibition of this entertaining film in Denmark and India will enable each society to get to know a little more about the other, apart from providing good entertainment to all.

( Krishan Mohan Lal )  
Ambassador of India  
to Denmark



\* Largest Certified Net Sales Among All Film Weeklies in India

# SCORESEN

th 257

VOL. XLII No. 41

BOMBAY: FRIDAY, JUNE 25, 1993

PRICE Rs. 5 PAGES 28



Every moment  
another Everest

**DEV ANAND, MINK, MANU GARGI,  
AKSHAY ANAND, ANEETA AYOOB**

Turn to Page 22, 23

Photo: Peter Morris



By Ali Peter John

EVERY time I have a long conversation with this dynamic man, this absolutely amazing man, this miracle in the fiercely competitive age of science when miracles are considered hopeless illusions, he talks of the mountains, the majesty of the mighty mountains, the magic of the mountains, the mystery of the mountains and the maddening obsession he has had for them ever since he was a little boy and that was so many years ago in a life which is still a symbol of all that is young and youthful. He talks about the passionate urge to go up and soar somewhere in the mountains because he believes his *rooh* (his spirit) is somewhere up there in every mountain. He loves the heights, he loves the beauty, he loves the excitement of trying to climb, soar with every step and the thrill of reaching there. It is these mountains which are such marvellous creations of the almighty who seems to have let them be, to let them grow so that man can always realise how infinitesimal, how little he is and how he has to keep growing and going higher and higher all the time in spite of all the falls who (the falls) are the oldest sages, the most ancient teachers and who have been Dev Anand's teachers, I feel. And that's why Dev Anand always feel this compulsive need to go back into the mountains to refresh himself, to reform himself, to redeem himself from the madness that life is gradually becoming and to be reborn again and again. That's one reason why he loves going to whichever mountain calls him, wherever it calls him because it is a call he just can't resist.

To think of it I think every moment is an Everest for this restless man in an endless quest for new achievements, new ideas, new goals, new thoughts come what may. Every moment is an Everest that calls him to take up the challenge, to climb in spite of all the cracks, the crevices and chasms and the killing chill, to keep climbing and to conquer. He has not conquered every Everest but he has certainly loved the thrill of climbing every Everest, every moment in his life. All the obstructions and obstacles, all the fears and falls have not been able to touch him for more than forty six years, a time-span when other men have got lost somewhere in some haze, some blizzard, some cyclone, some storm. This man, Dev Anand, however goes on, ceaselessly running, working, studying, planning, fighting, always moving ahead, moving with the times, even trying to

It was while he was thinking of the next Everest that he received a call from a man called M. Harwani who said he was a N.R.I. from Copenhagen. He said he was a great fan and he said he was interested in making a film with Dev Anand, a Hindi film to be shot in Denmark, Copenhagen and Norway. Dev resisted at first. He said he had never directed a film for anyone else and moreover he didn't want to make a film in partnership which was what Harwani, the fan, who wanted to produce a film wanted. Dev kept resisting and Harwani kept persisting. Till the adventurer, the traveller, the discoverer in Dev said he would like to see Denmark first. Harwani was game. Dev flew down to Denmark and was Harwani's guest. He travelled with Harwani all over and all the places fascinated him for their freshness, something Dev loves, freshness in everything that has to do with life. The landscape, the atmosphere, the people and the mountains above all set Dev's mind into motion. He could make a film here. He could try and do something which no other Indian filmmaker had done. He could shoot an entire film from start to finish in another country, in Europe. The changing and exciting face of Europe which has always fascinated Dev. Some fresh ideas were also born during those travels across the length and breadth of Denmark.

Dev came back and his restless mind went into action. And within no time he had decided to make a film with Harwani in Denmark. He had two subjects ready. One without Dev the actor and only with Dev as the director and the other with Dev the actor-director and the world around him. Dev decided to make the film with Dev the director only. It was a very big decision but Dev took it even though Harwani was not very happy with his decision. Dev went back to Denmark, talked to Harwani, told him about his plans and the facilities he would need to shoot the film (and he called it 'Pyar Ka Taraana') in one go and he wanted Harwani to see that there would be no hassles, no hitch on his side and Dev would go all out to see that there would be no hassles, no hitch on his side. The two shook hands and Dev decided to go into action right away.

He came back to Bombay and there was a flurry of activity (and a flurry in Dev's case means absolute madness with an absolute method behind it). He wanted to shoot the film in two months flat which was how he had shot 'Hare Rama Hare Krishna' in Nepal so many seasons ago. He wanted artistes who would give him two months of their lives at a stretch. He first spoke to Aamir Khan with whom he had worked in



Photo: Peter Maris

## Every moment another Everest

The man has reached a rare place, has made a place of his own, a place which can not be taken by any other man. Not any man, because there can be only one Dev Anand and that's destiny's plan. Dev Anand, the dreamer who dreams dreams that have to come true. Dev Anand, the man despair can not touch, distress can not unnerve, defeat can not devastate. For forty-six years Dev the man, Dev the actor, Dev the filmmaker has faced every test, fought it and forged ahead. Dev faces one more test with 'Pyar Ka Taraana' - and moves on without waiting, without stopping, without regrets, only with excitement, only with hope for a better tomorrow.



M. Harwani with Akshay Anand and Mink.

'Awwal Number' when Aamir was still an Aamir who? Aamir was game to work with Dev again but time was a problem. And Dev said if it was not going to be Aamir it was not going to be any other star (the search for talented stars ended with Aamir which is saying so much for Aamir's enormous talent). Dev took another decision in a flash. He decided to make the film with rank newcomers. He took this decision because only he knew "today only Dev can dare to make a film with fresh faces, with newcomers because first of all I love them because I too was a newcomer once who had to struggle to be what I am today. I know their problems and I know how to handle them, how to groom them, how to put confidence into them. And moreover I know I can complete a film and even sell a film with newcomers under my banner. It is both a challenge and a pleasure to work with newcomers because so much of their future depends on me, the director, their discoverer and their captain." Dev

looked for new faces. He first found Manu Gargi, son of the noted playwright Balwant Gargi, "who had very striking features, had a very good presence, had good eyes and had a very rich voice. He was as good or even better than all the young stars today. He has really grown in my film and I see a brighter future for him, that's why I signed him and am working with him in 'Gangster', my film under production now." Dev next found Aneeta Ayoob who was a striking model who was looking for a break. Dev saw in Aneeta, his heroine, a young Indian girl born and brought up in Denmark. He also found Mink and he feels both these girls "have done very well for themselves and they can look forward to a bright future if they work hard and do not walk the wrong track. They have got roles in 'Gangster' too. I would not have repeated them in 'Gangster' if they were not good. I see a happy future for all the newcomers in 'Pyar Ka Taraana'. And,

how can I forget Maja Riis the Danish girl I found in Denmark. I needed a Danish girl to play this character in the story who is full of life and very interesting. We advertised for the girl in the local newspapers. There were hundreds of girls who were willing but I found Maja in a flash. I had just one look at her, told her I had a role in my film and asked her if she was interested. She said yes without any hesitation. Her parents agreed too and that's how she's there and she is very good, I must say. I also have Akshay Anand in the film. I had given him a break in 'Hum Naujawan' some years



In 'Gangster'.

ago. He suited my requirements for the character I had in mind and he is one of the best things in the film. Talking of fresh faces and freshness I also thought in terms of a new villain. It took me some time and I finally settled for Girja Shankar who I think is a very fine artiste and he has got all the opportunities to prove how good he is in my film. I also had

there was just no rest, no break, not for Dev, the director. He shot for fifty-one and a half days at a stretch and worked fourteen hours a day. The artistes and other members of the unit took breaks or were not wanted at certain times and were free but for Dev Anand, the work maniac at seventy, work was an obsession. He had forgotten his past. The only thing that mattered to him both in his waking moments and brief sleeping moments was his film. He completed ninety-five per cent of the film on various beautiful locations in Copenhagen, in Denmark, in Scandinavia, in places where no other filmmakers had shot before. His passion to make the film look fresh and to break new barriers, new grounds compelled him to make every backdrop, every scene a character in the film. His experience as an actor and as a director helped him get the maximum work in the minimum time and without affecting the quality in any way. The other five per cent of 'Pyar Ka Taraana' he shot in Bombay and the film which was a fascinating new experience for the man who is forever eager to learn more, absorb and assimilate something from life everywhere, was complete. Dev had completed one more feat, one more exciting chapter. Says Dev who took all the pains to see that the film, "my baby" did not suffer neglect in any way both during the shooting of the film and after: "I am not talking big but I don't think any Indian filmmaker could make this film the way I have made it. And I could make it because I was the director, the king, the man who was completely in charge of my show and completely charged by my show. I have always believed it is the director who is the ultimate authority. The film is his kingdom, his artistes, his technicians are his people and they have to follow what their director, their king, wants them to do. I would even go to the extent of calling everyone working with a director who is a genuine director who knows what motion picture making is and who loves making motion pictures willing puppets in his hands. They have to play into the director's hands however big they are. I never questioned my directors when I worked with them. I don't like anyone questioning me when I am directing them. It is not a matter of my ego or thinking in the air. It is my confidence in myself and that is what matters to me most. Success is not the only thing. Tell me how many films succeed today? What matters is the sincerity and the passion that goes into the making of a film and I have he has tackled, like he always is. It is a love story alright but it is a love story with an angle that has never been touched or treated before. It's a film which according to Dev "is a blend of amazing freshness of ideas and treatment, great moments, great passion and great patriotism, great love on all levels, good music, good songs which are my speciality, excitement, youth and all the feelings associated with total entertainment and even some innocent sex, sex which is not titillating, or vulgar but sex that is natural. My film is a complete film which has everything body, soul, and mind. I have put my whole being into it. I have made it for the people and it is for them to pass judgement and I will respect their judgement like I have always respected their judgement. I am confident no one can call my film a bad film because I know I have given them no chance to say that. I have not done anything that is in bad taste. That's not Dev's way of making motion pictures. The whole world knows it now."

Dev is very thankful to his partner M. Harwani without whose inspiration he would never have thought of a film like 'Pyar Ka Taraana', not so soon, not this time. Harwani made all the required arrangements in Denmark without which the film would not be possible. It was a very pleasant experience he says but he is not game for any more partnership films. Once is enough for the man who has built Navketan, his empire, all on his own. He is excited about the Danish version of the film which will be released in Denmark without songs. And then there is the international version with which Dev hopes to enter new areas of activity. The man who loves adventure, who loves to see the world, sees Europe as the most exciting area in every sphere of life, even films in time to come. He wants to be a part of that activity, that growth, that enlightenment. He would love India to be a part of it. He is already full of ideas with that exciting future in mind. 'Pyar Ka Taraana' is already a thing of the past for him when it comes to movement, for growth.

He is only waiting for the results now, with all the optimism like always. Otherwise he has already completed seventy-five per cent of 'Gangster' in which he plays the Gangster and there is hectic work going on in the mind. His next film could be an international film made in Hollywood. With this man, you can never say. So many Everests wait and are willing to be conquered by him.

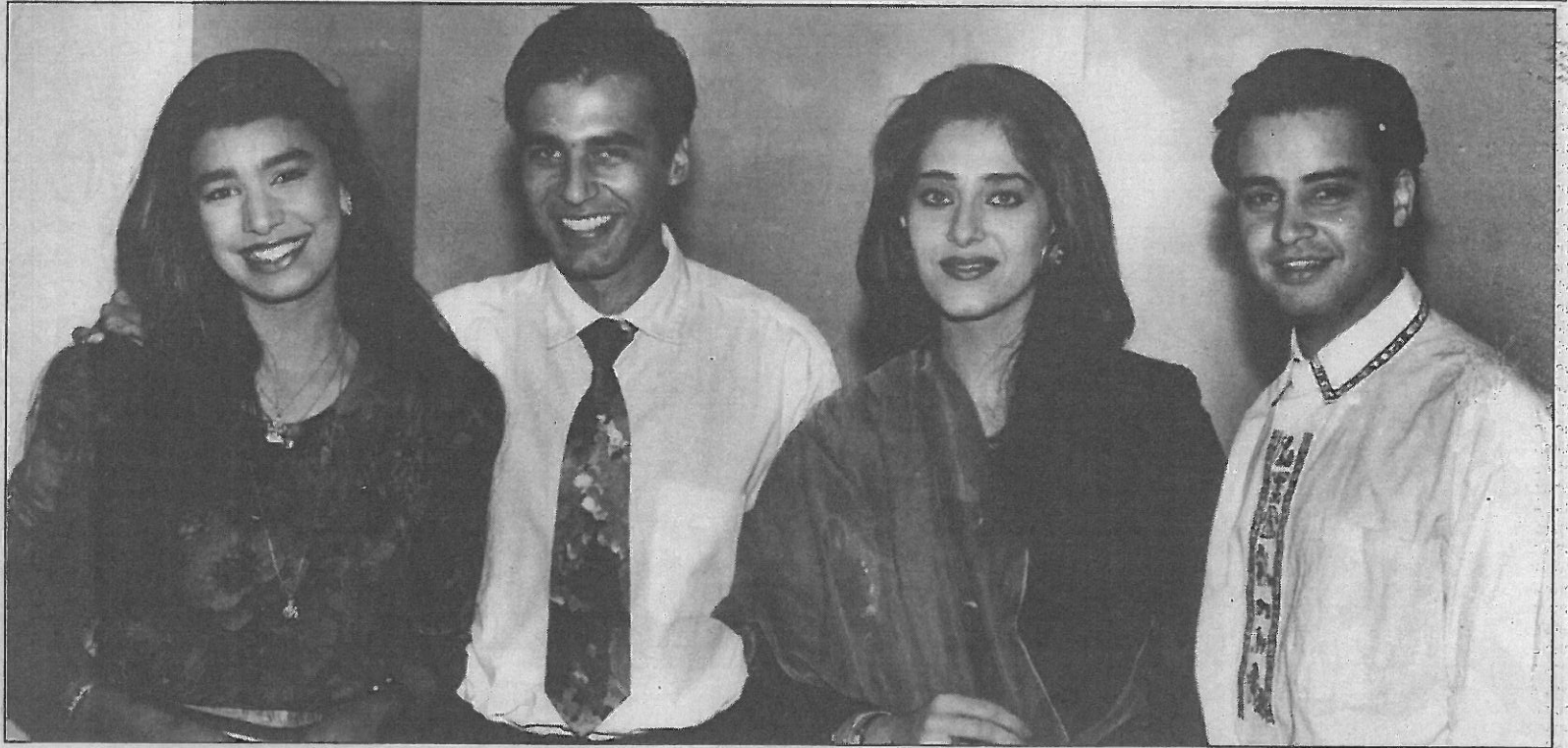
Denmark. And then work started and



# COVER STORY

The sun rises everyday and marks the dawn of a new day, the commencement of a new chapter in our diaries. And the release of 'Pyar Ka Taraana', will see three new chapters being included in the index of the film industry's log book. They will be in the names of Aneeta Ayoob, Manu Gargi and Mink. The fourth side of the rectangle is Akshay Anand, who has already joined in the fray to stardom. Though not a rookie like the others, his destiny, too, will be moulded according to the success of the film.

Hopeful as they are, they are also different from the rest of the newcomers who are being launched, day-in and day-out. The reason being their launch by the inimitable Dev Anand. Who are they? Did they or did they not enjoy working in a film like 'Pyar Ka Taraana'? The young turks speak out.



The foursome. Mink, Manu Gargi, Aneeta Ayoob and Akshay Anand.

By Shilpa

## ANEETA AYOOB



She is perhaps the best known of the 'Pyar Ka Taraana' and lot comprising of herself, Manu Gargi, Akshay Anand and Mink. Fair-skinned, blue-eyed and beautiful, she is Aneeta Ayoob.

The Pakistani model-cum-actress came down to India to learn acting. "I believe that if you go to a school that teaches you a particular genre, you learn a lot. As I was doing serials in Pakistan, I thought that an acting institute may teach me a little more." As there is a dearth of acting institutes in Pakistan, the lady had little option but to come to neighbouring India. "Having

Anand venture. When I signed Devsaab's film, I did not think that the film would revolve around me. I am playing an Indian girl who is born and brought up in Denmark, a fun-loving girl with an Anglo-Indian boyfriend, someone who is happy with life. And then I go, and fall in love with this Indian boy and what follows is what 'Pyar Ka Taraana' is all about," says she about her first film.

"Working with Devsaab was a wonderful experience too." Echoing her co-star's views that Devsaab is an understanding director, she went on to add, "He pampers and spoils his heroines. He doesn't shout, doesn't scream and is a thorough gentleman, even when we goofed up our lines umpteen number of times. A major schedule of the film was shot in Denmark and so it was shooting-cum-fun."

Some of her forthcoming ventures are Bubby Kent's production No. 4 with Mithun, Vicky Ranawat's '15th August' with Ronit Roy, Javed Riaz's 'Vish Amrit

with Mithun, Raj Babbar and Vinod Khanna, a Raj Sippy film with Akshay Kumar and Sunil Shetty and Dev Anand's 'Gangster', where she plays the role of "this girl who is raped and who takes her rapists to task." This film will also require her to do a lot of action scenes.

Asked about her modus operandi in selecting films, Aneeta says: "I look at the role, the director and the banner when I sign a film. I have refused many films just because the role did not appeal to me. It may be bad for my career but then I am not in a hurry and I will only do films that I feel confident about." She also feels that a heroine has ample scope to display her acting skills and she didn't intend being a decorative piece in films.

"Acting was something that I had never ever given as much as a thought to. In fact, throughout my life having an illustrious father like mine has been more of an impediment than anything else. People expected too much from me and so I had decided to stay away." But destiny willed otherwise.

He admits that essaying the role in the film was a totally half-hearted affair. "I just wasn't interested in the film. But, let me tell you that it was only in the beginning. Luckily, Devsaab was tolerant. He infused such an amount of enthusiasm in me that by the time the film was over, I craved for more." And seeing his enthusiasm Dev Anand signed him for his next film 'Gangster'. Manu has also been signed by Tanuja for her home production, 'Pehchan Apni Apni', opposite Kajol. "Before signing a film I see who the director and the co-star is. I do not think much about the stories of Hindi films and moreover the story narrated to an artiste is usually different from how it turns out finally. Often, one goes to the sets and finds the writers rewriting the story, making changes, etc.," said Manu in his usual soft-toned voice.

"Pyar Ka Taraana" was a nice experience. Devsaab taught me such a lot. He is a good director, someone who is always supportive. But one thing I must say is that as this was the first film where he was not acting in, I feel that he saw himself in my role and thus was always asking me to portray the character in the way he wanted me to. Frankly speaking, I thought of it as a constraint on me as an actor. But then I think that as this was my first film, maybe it was better to have been guided than experimenting on what I thought would have been the right way to project the character. In fact, I totally identify with the character. Given the same circumstances in my life, I think I would do the same things that the hero in this film does.

"I think that as a career move, Devsaab's film was the perfect first film for me. He knows so much about cinema and is so enthusiastic about his films. Though his films in the recent past have not done so well at the box-office, I'd rather do his film. After so many flops he is bound to deliver a hit. I'd rather not do a film with someone who has given all hits because then he is bound to slip that one time. Personally I feel that 'Pyar Ka Taraana' has all the makings of a hit and we are all keeping our fingers crossed." Touche for that.

Manu is a self-proclaimed Libran (October 11) and wants his fans to know that his performance in 'Pyar Ka Taraana' gives only a little trailer about what he can actually do as an actor.

Manu is Chandigarh-born and then went to Delhi. He was packed off to a boarding school in America at the age of ten and that is where he grew up. Having finished college, this young man, like a lot of his peers, did not know

where his future lay and so off he went to France where he stayed with friends. And by the time Manu returned to the US, the Gulf war had broken out and recession had set in. Everywhere the young hopeful went looking for a job, he was turned down. That was when the 'Pyar Ka Taraana' offer came in.

Manu happens to be the son of noted playwright and director Balwant Gargi. A family friend happened to know Dev Anand who was on the lookout for a boy to play the lead in his film. He suggested Manu's name. Dev Anand took one look at Manu's snaps and decided that Manu would be the hero of 'Pyar Ka Taraana'. Manu, meanwhile, had absolutely no inclination towards acting. His father intervened and suggested that he fly down as he wasn't

impressed by her. He asked the

nymph if she would do a photosession for him. The lure of free photographs made her agree. A photosession later, Dev Anand proposed to sign her for 'Gangster'. Those days he was busy with his 'Pyar Ka Taraana' and that meant that Mink would have to return to Germany or sit idle in Bombay till he was free to shoot for 'Gangster'. Mink chose to return to Germany. Meanwhile, Dev Anand was in a fix wondering if the lure of the West would keep her there and whether she would return to do the film. Not wanting to take a chance, he offered her the role of an Indian girl in his then under-production 'Pyar Ka Taraana'.

"Working for this film was a wonderful experience," says the fourteen-year-old, adding, "Devsaab was wonderful." And she breezed through her first film with unexpected ease. "Though it was fun on the sets and Devsaab was very understanding, we also had to put in a great deal of hard work and the product is there to see. There is this one particular scene in this film, the scene where I die, which was the most difficult for me to portray. I was all giggly and nervous and glad when it was over. But, I am proud to be associated with the film and looking forward to my role in 'Gangster'." said Mink.

She has a different kind of a role in 'Gangster'. She plays a German street trumpeter who unknowingly gets involved with gangsters. Other films she is doing are 'Kasoor', 'Nau Do Gyarah', 'Saath Na Chute' and 'Kabhi'.

About playing second lead to Aneeta Ayoob in her very first film, Mink said, "Oh! my role is equally important and besides I'd rather think there are two main female leads in the film, me and

the film flopped. But that was not enough to get him down. He had abundant patience to see him through. He was still being offered films. Sometimes the role

narrated to him turned out differently in the end. It happened in 'Umar Pachhpan Ki Dil Bachpan Ka' where Akshay's role took a turn for the miniscule. But all this still hasn't put a damper to his confidence to make it.

'Do Pal' did badly at the box-office, but Akshay stoutly defends his first film. "It was an injustice to a good film. That film taught me discipline and professionalism. Everything is wrong here. The industry needs to put itself together if it wants to survive. They need to bring out quality products. Personally, I feel that I have not got my due as an actor, not given the platform to prove my potential. I think that the producers are not creating slots for actors. They do not want to experiment and that's why a lot of talent is going waste. There's more crass than class here. Only a few classy people like Dev Anand exist," says he.

That's the reason why he is excited about his role in his "Devsaab's" 'Pyar Ka Taraana'. "This is a very different role and my role makes an impact on the storyline." He plays Kim, an Indian

# Frolicsome foursome

## MINK



A child-woman she is. Tall, dusky and beautiful. There is an aura of innocence about her and she captivates you with her dreamy smile. Her name is Mink and she is about to hit the world of Hindi films.

Hailing from Germany, this star-struck girl had come down to Bombay to spend her vacation when she decided that she wanted to tour filmdom here. Destiny brought her in contact with Dev Anand who was at once impressed by her. He asked the

is Aneeta's boyfriend before she meets Manu. But the change in events doesn't make him bitter, turn him into a negative character. "That's the Dev Anand touch. And though I am not very impressed by my role in 'Pyar Ka Taraana' people will see me in a different shade."

Dev Anand is a spontaneous director. He is one director who has the entire film sketched in his mind. And he knows how exactly he wants all his scenes executed. I won't deny that he is a pushy director in the sense that the intonations of the dialogue must be the exact way that he wants it to be. Action must be how he wants you to do it and he doesn't like pauses in between lines. That's something I disagree with. Anyway, I did what he wanted me to do because I am a total director's actor. He is a senior pro and I was totally intimidated by him, so much so that I was totally apprehensive in giving suggestions," Akshay lets out steam. Maybe this is the reason why he is satisfied and not happy with the way his role has shaped up. He wishes that his role should have been handled with more finesse.

Akshay is hopeful about his forthcoming 'Jazbaa', 'Haahaakar', 'Dil Ka Haal', 'Sune Dilwala' and 'Hum Funtoosh Hain'. The success of 'Pyar Ka Taraana' should really kickstart his career.

being offered films. Sometimes the role

## ANEETA AYOOB



Aneeta. I am sure that after seeing the film everybody will agree with me."

Life was going fine for John Gardener (Akshay's real name). He was happy-go-lucky and had absolutely no worries in the world. He had taken to modelling to make extra pocket-money and "was a different person." Education over, he went to Calcutta, got into leather exports and what followed was a hurtful mess. In between all this through the influence of friend Devina Anand, Akshay did a small role in Dev Anand's 'Hum Naigam'. A role that

was specially conceived for him. (The Anand in Akshay's name is his tribute to Dev Anand).

So, Akshay Anand turned teenage heartthrob with the serial 'Indradhanush'. Girls 'ooh and aahed' at the mere mention of his name. His niece told him that "before the serial goes off the air, you will sign a film." And that, he did. The subject of 'Do Pal' was good and he was working with a good director. Everything was going right for him. But unfortunately,

the film flopped. But that was not enough to get him down. He had abundant patience to see him through. He was still being offered films. Sometimes the role

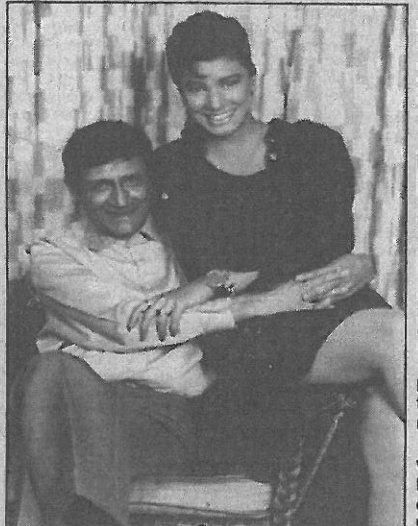
being offered films. Sometimes the role



Aneeta Ayoob.

heard a lot about the Pune Institute, I came down to Bombay because it is such a popular place. That's when I heard about Roshan Taneja's course and settled for it instead." A popular model as she was and whilst doing a commercial for a London-based company she was asked by the director of that commercial, who incidentally is also an assistant to Dev Anand to go and meet the man who was then looking for a girl to play the lead in his 'Pyar Ka Taraana'. Dev Anand immediately took to the girl and that is how Aneeta bagged the role.

"I had never thought that I would play such an important role in a Dev



Mink with Dev Anand.



Manu Gargi with Dev Anand.

was specially conceived for him. (The Anand in Akshay's name is his tribute to Dev Anand).

So, Akshay Anand turned teenage heartthrob with the serial 'Indradhanush'. Girls 'ooh and aahed' at the mere mention of his name. His niece told him that "before the serial goes off the air, you will sign a film." And that, he did. The subject of 'Do Pal' was good and he was working with a good director. Everything was going right for him. But unfortunately,

the film flopped. But that was not enough to get him down. He had abundant patience to see him through. He was still being offered films. Sometimes the role

being offered films. Sometimes the role

narrated to him turned out differently in the end. It happened in 'Umar Pachhpan Ki Dil Bachpan Ka' where Akshay's role took a turn for the miniscule. But all this still hasn't put a damper to his confidence to make it.

'Do Pal' did badly at the box-office, but Akshay stoutly defends his first film. "It was an injustice to a good film. That film taught me discipline and professionalism. Everything is wrong here. The industry needs to put itself together if it wants to survive. They need to bring out quality products. Personally, I feel that I have not got my due as an actor, not given the platform to prove my potential. I think that the producers are not creating slots for actors. They do not want to experiment and that's why a lot of talent is going waste. There's more crass than class here. Only a few classy people like Dev Anand exist," says he.

That's the reason why he is excited about his role in his "Devsaab's" 'Pyar Ka Taraana'. "This is a very different role and my role makes an impact on the storyline." He plays Kim, an Indian

being offered films. Sometimes the role

being offered films. Sometimes the role

being offered films. Sometimes the role

being offered films. Sometimes the role

being offered films. Sometimes the role



KATRINE BRØNDSTED



# BOLLYWOODFILM

— EN INTRODUKTION





---

BOLLYWOODFILM

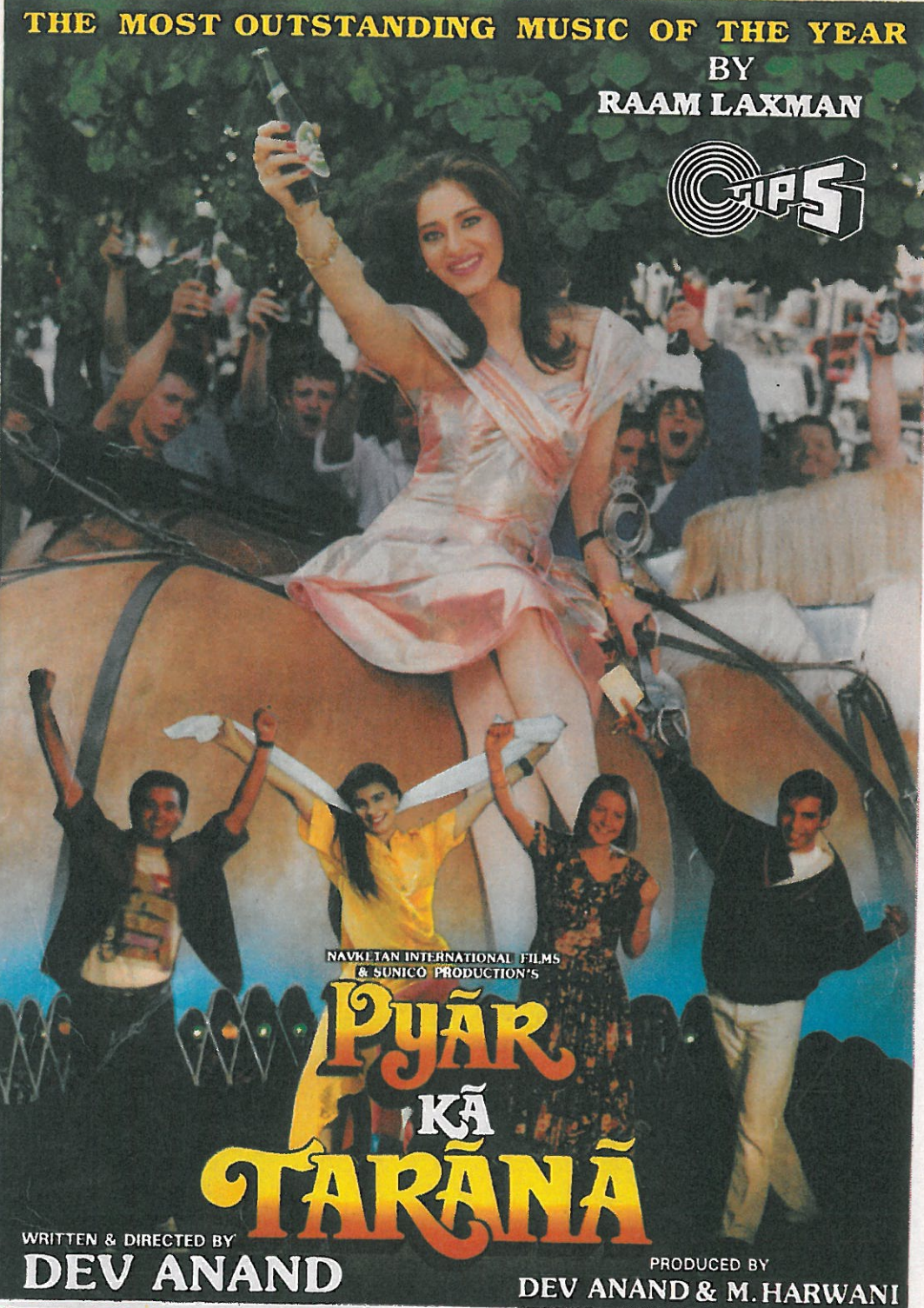

SANGE FRA EN ELLERT

Forestil dig en sang- og dansescene, hvor helten og heltinden fræser forbi Vor Frue Kirke i en knaldrød Ellert for derefter at køre ind på Strøget. De synger i deres lille røde bil med det åbne soltag, der nu er så proppet, at selv det indiske publikum må tænke: "Aahh, der er vist alligevel lidt for mange mennesker i den bil." Det lyder måske som en drøm, men ikke desto mindre er det virkelighed. Filmen hedder *Pyar Ka Tarana*, og det er ikke kun en enkelt scene, der er optaget i Danmark: Hele filmen foregår og er filmet her i landet.



Reg. No. MH/BY/SOUTH --160

**THE MOST OUTSTANDING MUSIC OF THE YEAR**  
BY  
**RAAM LAXMAN**



NAVKETAN INTERNATIONAL FILMS  
& Sunico PRODUCTIONS

# Pyār Kā TARĀNĀ

WRITTEN & DIRECTED BY  
**DEV ANAND**

PRODUCED BY  
**DEV ANAND & M. HARWANI**

**BEST  
SELLERS  
OF**  
  
**WITH  
JHANKAR  
BEATS**



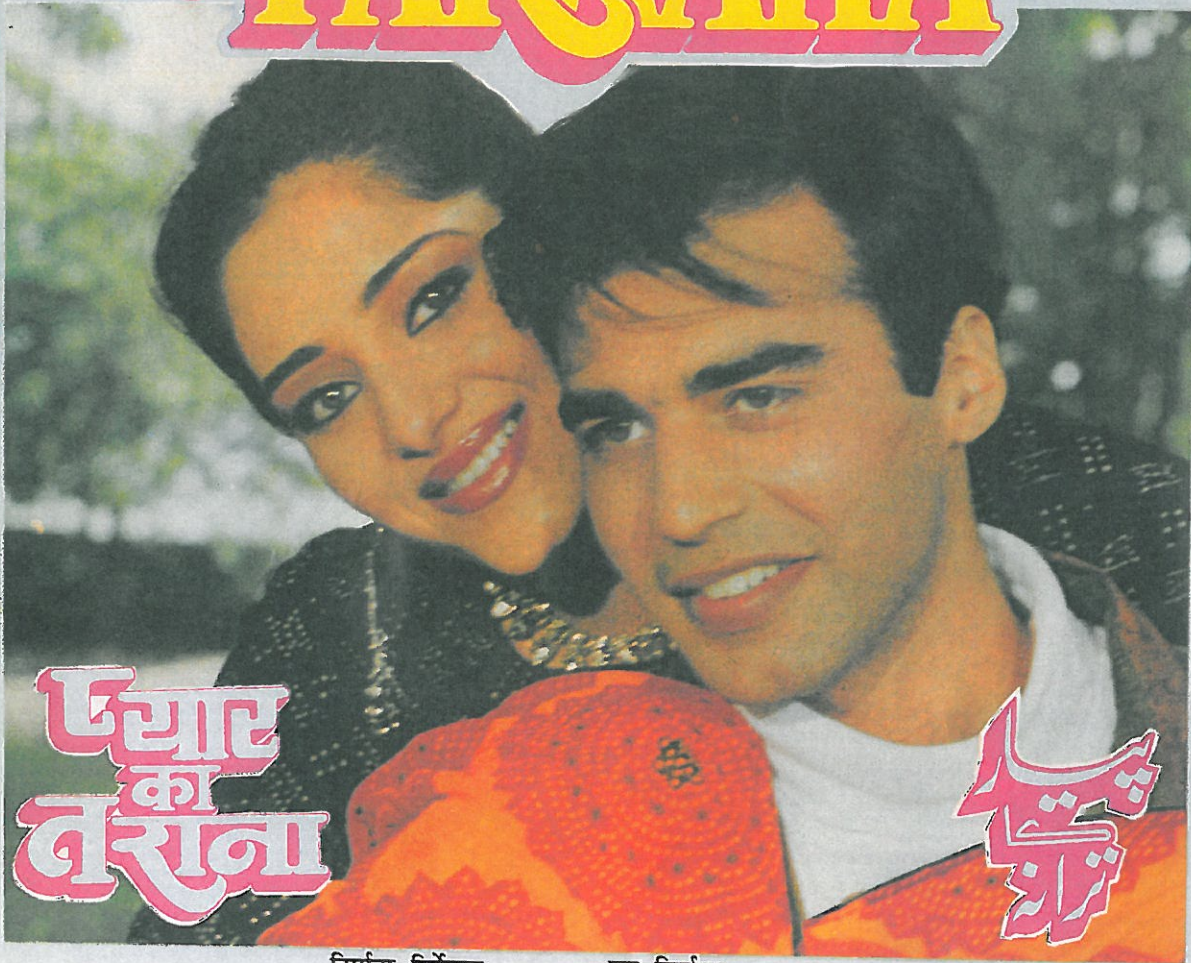
Printed and Published for the Proprietors, Indian Express Newspapers (Bombay) Ltd. by V. Ranganathan  
at the Indian Express Press, Bombay-400 021. Managing Editor: Vivek Goenka. Editor: Udaya Tara Nayar.  
© 2022627 extn. 285 Direct: 223756. Telex: 11-82585-INEX-IN, 11-82276-INEX-IN. Telefax: 2022139



NAVKETAN INTERNATIONAL FILMS  
SUNICO PRODUCTIONS COPENHAGEN

PRESENT

# PYAAR KĀ TARAANA



प्यार  
का  
तराना

प्यार

निर्माता-निर्देशक

सह-निर्माता

देव आनंद

एम. हरवानी

संगीतकार

राम लक्ष्मण